विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, शनिवार, 12 जुलाई 2025 | वर्ष- 10 | अंक- 208 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

जो स्वयं संयमित व नियंत्रित है उसे, व्यर्थ में और अधिक नियंत्रित नहीं करना चाहिये, जो अभी अनियंत्रित है, उसी को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

▶▶ अथर्ववेद

इंदौर ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025: 30 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश के प्रस्ताव, 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर बनेंगे

मध्यप्रदेश को शहरी विकास से मिलेगी नई दिशा : मोहन

विजय मत, ब्यूरो इंदौर

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि रियल एस्टेट आज देश का सबसे तेज़ी से आगे बढ़ता सेक्टर बन गया है और इसका सीधा योगदान देश के विकास से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस सेक्टर को और गति देने के लिए सभी बड़े शहरों में ऐसे कॉन्क्लेव आयोजित करेगी और नागरिकों को सुलभ व सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा, रियल एस्टेट कभी सिर्फ 3% जीडीपी में योगदान देता था, आज यह 8.5% तक पहुंच चुका है। यह प्रमाण है कि यह क्षेत्र कितनी तेज़ी से बढ़ रहा है। हम इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रदेश में 10 लाख नए मकान बनाएंगे और गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' की तर्ज पर मध्यप्रदेश में 10 स्मार्ट सिटी भी विकसित करेंगे।

मोहन का ऐलान: गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' की तर्ज पर मप्र में विकसित की जाएंगी 10 स्मार्ट सिटी

सीएम ने दी ₹12,500 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

मुख्यमंत्री ने कॉन्क्लेव के मंच से 12,500 करोड़ रुपये की शहरी विकास योजनाओं की सौगातें दीं। इनमें इंदौर शहर के लिए अमृत 2.0 योजना के तहत जलप्रदाय और सीवरेज के लिए 2,382.03 करोड़ रुपये, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत उपयोगित जल प्रबंधन और अधोसंरचना विकास हेतु 3,562.27 करोड़ रुपये की राशि शामिल है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 45,503 हितग्राहियों को गृह प्रवेश और 19,541 को स्वीकृति पत्र वितरित किए। कुल मिलाकर 65,044 हितग्राहियों को 2,799.26 करोड़ रुपये की राशि अंतरण की गई।

शहरी परिवहन और आधारभूत संरचना पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुलभ, स्विफ्ट और सुरक्षित परिवहन किसी भी आधुनिक शहर की रीढ़ होती है। उन्होंने जानकारी दी कि भोपाल और इंदौर में मेट्रो परियोजना तेज़ी से पूरी की जा रही है। इसके अलावा जबलपुर और ग्वालियर में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाए जा रहे हैं। राज्य के छह प्रमुख शहरों भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और जबलपुर में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत कुल 582 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। इनसे शहरी परिवहन को नई दिशा और पर्यावरण को राहत मिलेगी।

प्रदेश को मिले 30 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव

इस कॉन्क्लेव में होटल, रियल एस्टेट, शिक्षा, रिन्यूएबल एनर्जी और आईटी जैसे क्षेत्रों में करीब 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए हैं। इससे 15 हजार से ज्यादा लोगों को नौकरी के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 12,360 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी दी। मुख्यमंत्री ने जलप्रदाय, सीवरेज, स्वच्छता और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े 5,454 करोड़ रुपये के कार्यों का भूमिपूजन किया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 65 हजार से ज्यादा लोगों को 2,799 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी गई। इंदौर और भोपाल विकास प्राधिकरण के अंतर्गत 12 निवेशकों से 2,784 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव मिले हैं। नगरीय निकायों को अधोसंरचना विकास के लिए 1,320 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है।

अन्य क्षेत्रों में प्राप्त निवेश

औद्योगिक क्षेत्र ₹12,473 करोड़

होटल क्षेत्र ₹3,344 करोड़

रियल एस्टेट ₹1,812 करोड़

शिक्षा ₹72.45 करोड़

रिन्यूएबल एनर्जी ₹500 करोड़

आईटी सेक्टर ₹100 करोड़

निवेशकों से मुख्यमंत्री ने की वन-टू-वन चर्चा

कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने देश की प्रमुख कंपनियों के निवेशकों से रुबरु चर्चा की। इनमें पटेल इंफ्रा, आईटीसी, ओमेक्स ग्रुप, टाटा प्रोजेक्ट्स, राठी स्टील, साई ग्रीन प्रा. लि., मेडुला सॉफ्ट, डापलमायर इंडिया आदि कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि "यह तो शुरुआत है, हम प्रदेश को हर क्षेत्र में नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए सभी के सहयोग से तेज़ गति से काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ ही मेट्रो से लेकर मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट, झील संरक्षण से लेकर स्मार्ट कमाण्ड सेंटर तक हर क्षेत्र में तेज गति और व्यापक पैमाने पर कार्य शुरू किये गये हैं यह एक शुरूआत है। इसे आगे भी सबके सहयोग से तेज गति से जारी रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि हुकुमचंद मिल क्षेत्र के पुर्नविकास को गति देकर पूरा किया जायेगा।

मेट्रोऔर स्मार्ट सिटी को मिलेगी रफ्तार

मुख्यमंत्री ने बताया कि भोपाल और इंदौर में मेट्रो परियोजनाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। जबलपुर और ग्वालियर में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाए जाएंगे। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर में 582 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी।

शहरी विकास के लिए मिलीं कई सौगातें

मुख्यमंत्री ने इंदौर शहर के लिए 2,382 करोड़ रुपये की जल और सीवरेज योजनाओं, 3,562 करोड़ रुपये की स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ी परियोजनाओं की स्वीकृति दी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 45,503 हितग्राहियों को गृहप्रवेश और 19,541 को स्वीकृति पत्र दिया गया।

तकनीकी सहयोग और एमओयू

कॉन्क्लेव में शहरी विकास को तकनीक से जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें प्रमुख हैं...

- मध्यप्रदेश शासन और भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (BISAG-N) के बीच करार
- मध्यप्रदेश शहरी विकास कंपनी और हाउसिंग एंड अर्बन डेवेलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (HUDCO) के बीच समझौता
- सिंहस्थ 2028 की कार्ययोजना को लेकर IIM इंदौर के साथ साझेदारी

कॉन्क्लेव में विशेष सत्र और एक्सपो का आयोजन

कार्यक्रम के दौरान शहरी विकास से जुड़े विषयों पर कई विचार सत्र आयोजित किए गए। इनमें अर्बन मोबिलिटी, अर्बन टेक, अर्बन ग्रीन्स और इंटीग्रेटिंग टेक्नोलॉजी फॉर अर्बन इंडिया जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। कॉन्क्लेव का एक प्रमुख आकर्षण रहा "अर्बन डेवलपमेंट एक्सपो", जिसमें एमपी मेट्रो, इंदौर नगर निगम, हाउसिंग बोर्ड, हुडको, एनएचएआई, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और अन्य संस्थानों ने अपने स्टॉल लगाकर विकास की झलक दिखाई।

न्यूज इन शॉर्ट

आईटीआर-2 और 3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने शुक्रवार को आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी को जारी किया, इनका इस्तेमाल करदाताओं द्वारा कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम और अन्य से प्राप्त हुई आय पर आईटीआर दाखिल करने के लिए किया जा सकता है। आयकर विभाग ने पहले केवल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे, जिससे कुछ ही सीमित करदाताओं को स्पेसिफाइड इनकम क्लासिफिकेशन के साथ उनके आईटीआर को फाइल करने में मदद मिली। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की, "करदाता ध्यान दें! असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए आईटीआर-2 और आईटीआर-3 की एक्सेल यूटिलिटी अब लाइव हैं।

शेयर बाजार में गिरावट का रुख जारी, सेंसेक्स 689 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे सत्र में लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बाजार आईटी, ऑटो और ऊर्जा शेयरों में भारी बिकवाली से प्रभावित हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 689.81 अंक या 0.83 प्रतिशत गिरकर 82,500.47 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 748.03 अंक या 0.89 प्रतिशत गिरकर 82,442.25 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 205.40 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 25,149.85 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में जून तिमाही की आय की रिपोर्ट के बाद 3.46 प्रतिशत की गिरावट आई। महिंद्रा एंड महिंद्रा, और एचडीएफसी बैंक अन्य प्रमुख पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे।

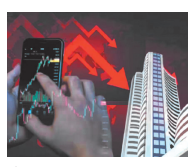

विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर घटकर 699.736 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार चार जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.049 अरब डॉलर घटकर 699.736 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 702.784 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के अंत में यह भंडार 704.885 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.537 अरब डॉलर घटकर 591.287 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों की मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले एनएसए डोभाल, कहा-

एक फोटो दिखाएं जिसमें भारत का नुकसान नजर आए, हमने 9 आतंकी ठिकाने उड़ाए

चेन्नई, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहका अजित डोभाल ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि कई विदेशी मीडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर सवाल उठाए। भारत को नुकसान की खबरें चलाई। उन्होंने कहा कि विदेश मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया। ना यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। डोभाल ने यह बात शुक्रवार को आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में कही। वे कहते रहे कि पाकिस्तान ने ये किया, वो किया लेकिन मुझे एक फोटो दिखाइए जिसमें भारत का नुकसान नजर आए। यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो। हमसे कोई चूक नहीं हुई। हम उस पॉइंट तक सटीक थे जहां हमें पता था कि कौन कहां है।

ऑपरेशन सिंदूर पर हमें नाज : एनएसए

डोभाल ने कहा, टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है। हमें गर्व है कि इस दौरान हमने स्वदेशी तकनीक इस्तेमाल की। हमने सीमापार नौ पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था। इनमें एक भी ठिकाना बॉर्डर के पास नहीं था। हमारे सभी निशाने सटीक थे। हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया। उन्होंने कहा, आप एक ऐसे देश, एक ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार सालों से संकटग्रस्त और लहूलुहान रही है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने आईडीपूफ देख 9 को मारी गोली

झोब, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने बस को निशाना बनाया। झोब के सुर-दकाई इलाके में उग्रवादियों ने लाहौर जा रही बस में सवार नौ यात्रियों की हत्या कर दी। बंदूकधारियों ने हाईवे पर बस को रुकवाया। इसके बाद यात्रियों के पहचान पत्र देखकर उनको बस से नीचे उतारा और फिर गोली मार दी। अब तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। झोब के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने बताया कि झोब के सुर-दकाई इलाके में राजमार्ग पर क्वेटा से लाहौर जा रही दो बसों को बंदूकधारियों ने रोक लिया। इसके बाद उन्होंने बस में चढ़कर यात्रियों के पहचान पत्र देखे।

कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान सर्वे में खुलासा

अब उज्जैन और जबलपुर में नहीं दौड़ेगी मेट्रो, ग्वालियर में लाइट मेट्रो का रास्ता साफ

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा घोषित मेट्रो योजना को लेकर अब तस्वीर साफ होती जा रही है। भोपाल और इंदौर के बाद राज्य सरकार ने ग्वालियर में लाइट मेट्रो चलाने का रास्ता साफ कर दिया है, जबकि उज्जैन और जबलपुर को इस सुविधा के लिए अभी लंबा इंतजार करना होगा। इन दोनों शहरों की यात्री क्षमता और आबादी मेट्रो की जरूरतों के मानकों पर खरी नहीं उतरती, इसलिए सरकार ने यहां वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर फोकस करने का निर्णय लिया है। अर्बन मॉस ट्रांजिट कंपनी (यूएमटीसी) द्वारा तैयार कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान सर्वे में पाया गया कि जबलपुर और उज्जैन में पीक ऑवर में यात्री संख्या 15 हजार से भी कम है, जबकि मेट्रो के लिए न्यूनतम 20 हजार पैसेंजर यूनिट की आवश्यकता होती है। रिपोर्ट के अनुसार, उज्जैन और जबलपुर में फिलहाल एलिवेटेड कॉरिडोर और बीआरटीएस जैसी योजनाएं अधिक व्यावहारिक होंगी।

कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान

कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान के तहत शहर की सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने और सभी परिवहन साधनों को जोड़ने का रोडमैप तैयार किया जाता है। मेट्रो, बस, ऑटो, साइकिल जैसे साधनों की अलग-अलग रूट और इंटरकनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाती है।

> मेट्रो रेल पॉलिसी 2017 के अनुसार योजना की व्यवहारिकता जांची जाती है। इसी आधार पर भोपाल और इंदौर को मेट्रो, ग्वालियर को लाइट मेट्रो और उज्जैन-जबलपुर को बीआरटीएस आधारित समाधान उपयुक्त माने गए हैं।
>
> ■ एस. कृष्ण चैतन्य
> प्रबंध संचालक, मप्र मेट्रो कॉर्पोरेशन

ग्वालियर को मिलेगी लाइट मेट्रो

ग्वालियर शहर में मेट्रो के हल्के संस्करण 'लाइट मेट्रो' को व्यावहारिक माना गया है। सर्वे में ग्वालियर के एक दर्जन कॉरिडोर को संभावित बताया गया है, जहां यह सेवा चलाई जा सकती है। लाइट मेट्रो के लिए अनुमानित लागत प्रति किलोमीटर 1,500 से 2,000 करोड़ रुपये तक हो सकती है, जबकि सामान्य मेट्रो की लागत 3,000 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर तक पहुंचती है।

मुख्यमंत्री मोहन आज अंतरित करेंगे लाड़ली बहनों के खातों में राशि

सामाजिक सुरक्षा पेंशन और सिलेंडर उज्जवला की राशि भी करेंगे अंतरित

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार 12 जुलाई को ग्राम पंचायत नलवा जिला उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत एक करोड़ 27 लाख बहनों को 1503 करोड़ 14 लाख की 26वीं किश्त उनके खातों अंतरित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 56 लाख 74 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 340 करोड़ की राशि, 30 लाख से अधिक बहनों को उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफलिंग की 46 करोड़ 34 लाख की राशि भी सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। एक अन्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के कालिदास अकादमी में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन में मछुआ कल्याण के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं हितलाभ का वितरण भी करेंगे।

अमेरिका की आर्थिक कार्रवाइयों ने डॉलर का विकल्प तलाशने को मजबूर किया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की आर्थिक और भू-राजनीतिक कार्रवाइयों के कारण ही देश डॉलर से इतर मुद्राओं में व्यापार करने को प्रेरित हुए हैं। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डॉलर से इतर मुद्राओं में व्यापार करने वाले सभी ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क का प्रस्ताव भी रखा है। भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान ब्रिक्स के सदस्य हैं। 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) ने कहा कि रूस, ईरान तथा वेनेजुएला जैसे देशों पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने डॉलर-आधारित भुगतान को अवरुद्ध कर दिया है जिससे भारत और चीन जैसे देशों को रूस के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, डॉलर से इतर दूसरी मुद्राओं का रुख करना कोई विद्रोह नहीं है... बल्कि एकमात्र रास्ता यही बचा था।

भाजपा संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है: खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है। खड़गे ने पार्टी के 'संविधान बचाओ समावेश' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश के दलितों, आदिवासियों और युवाओं को भाजपा शासन में अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीखना होगा। उन्होंने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार हमारे संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है। खड़गे ने यह भी दावा किया कि भाजपा समर्थक ओडिशा में दलितों और सरकारी अधिकारियों पर हमले कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, अगर दलित, आदिवासी और युवा अपने अधिकारों के लिए लड़ना नहीं सीखेंगे तो भाजपा उनका सफाया कर देगी। कांग्रेस सरकार ने भारत में 160 सार्वजनिक उपक्रमों की स्थापना की जबकि भाजपा सरकार ने उनमें से 23 का निजीकरण कर दिया।

एम्स का दावा जांच में औसतन 25 फीसदी लोग मिले पॉजिटिव

मध्य प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे सिकल सेल के मरीज

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में खौफनाक बीमारी सिकल सेल के खात्मे के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश के राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने इस रोग को खत्म करने के लिए स्क्रीनिंग के बाद जेनेटिक काउंसलिंग पर विशेष ध्यान देने की भी बात कह चुके हैं। इसके एम्स भोपाल द्वारा बैतूल जिले में लगाए गए कैंप में औसतन 25% लोग इस बीमारी से ग्रसित पाए जा रहे हैं। जोकि काफी चिंता का विषय है। दरअसल एम्स द्वारा लगाई गई शिविर में जांच रिपोर्ट आने पर पता चला कि जिन लोगों की जांच की गई उनमें से 24.7 फीसदी लोग पॉजिटिव पाए गए। हालांकि वैतूल कलेक्टर का कहना है कि हमारे पास ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं आई है। सिकल सेल एक वंशानुगत रक्त विकार है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी अनजाने में फैलता रहता है। समय पर जांच और जानकारी से इस रोग की रोकथाम संभव है। एम्स भोपाल और मध्य प्रदेश थैलेसीमिया जन जागरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में 28 जून को आमला तहसील के बोदरझी स्थित पैराडाइज स्कूल में एक दिवसीय निःशुल्क सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य गंभीर आनुवंशिक रक्त विकारों जैसे सिकल सेल एनीमिया व बीटा थैलेसीमिया के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना और निःशुल्क परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराना था।

प्रभावित क्षेत्रों में जांच और इलाज की सुविधा दुर्लभ

एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने कहा कि आज भी सिकल सेल प्रभावित क्षेत्रों में जांच और इलाज की सुविधा दुर्लभ है। ऐसे शिविरों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाई जा सकती है। एम्स भोपाल लगातार इन क्षेत्रों में रोगियों की पहचान, जांच और काउंसलिंग कर रहा है ताकि इस आनुवंशिक रोग की श्रृंखला को समय पर तोड़ा जा सके।

हमारे डेटा में केवल एक प्रतिशत मरीज

बैतूल कलेक्ट नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि एम्स के शिविर में क्या रिपोर्ट आई मुझे अभी तक नहीं दी गई है। अभी तक हम लोगों ने साढ़े 6 लाख जांच की है, जिसमें से केलव 6,500 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। जोकि केवल एक प्रतिशत है। अगर इस तरह की कोई रिपोर्ट आई है तो हम इस पर काम करेंगे।

मंत्री विजयवर्गीय बोले- वन विभाग सहयोग नहीं कर रहा, सीएम से कहा-

विदेश जाने से पहले विभाग को निर्देश दे जाएं, इंदौर में होना है महावृक्षारोपण : मोहन

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

मप्र के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक बार फिर अपनी ही सरकार को घेर दिया। इस बार उनके निशाने पर वन विभाग था। नगर निगम द्वारा आयोजित पौधरोपण के एक कार्यक्रम में विजयवर्गीय ने कहा कि वन विभाग से हमें सहयोग नहीं मिल रहा है, पौधे समय पर नहीं मिल पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने मंच से बोलते हुए विजयवर्गीय ने आगे कहा कि अब तक हम 7 लाख पेड़ लगा चुके हैं। हमारा 51 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य है। लेकिन वन विभाग से उतना सहयोग नहीं मिल रहा जितना मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि विदेश जाने से पहले वन विभाग वालों को निर्देश देकर जरूर जाएं।

नगर निगम इंदौर द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान को एक वर्ष पूर्ण होने पर 12 जुलाई को रेवती रेंज पहाड़ी पर 20,000 पौधों का महा वृक्षारोपण किया जाएगा। पिछले साल इसी जगह 12 लाख पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इस वर्ष भी अभियान में स्कूल, कॉलेज, स्वयंसेवी संस्थाएं, आरडब्ल्यूए, एवं औद्योगिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

15 अक्टूबर 2024 - नशे के तार राजस्थान से जुड़े

इंदौर में फ्लाई ओवर के लोकार्पण के दौरान उन्होंने सीएम डॉ. मोहन यादव से कहा था- 'इंदौर में नशे के कारोबार के तार राजस्थान के प्रतापगढ़ से जुड़े हैं। मुझे नाम भी पता है कि कौन लोग इस कारोबार के पीछे हैं। आप मुख्यमंत्री भी हैं और इंदौर के प्रभारी मंत्री भी हैं। नशे के कारोबार पर नकेल के लिए आपको भोपाल से भी निर्देश जारी करना होंगे। भोपाल के अधिकारियों के माध्यम से राजस्थान पुलिस से संपर्क कर बड़ी कार्रवाई करनी होगी। अब तक आपने सिर्फ चोरों को पकड़ा है। इस कारोबार के चोरों की मां को भी पकड़िए। नहीं तो ये लोग इंदौर के युवाओं को बर्बाद कर देंगे।'

10 नवंबर 2023 - इंदौर का नया नाइट कल्चर नशा करने वालों का, मैं इसका विरोधी

नशे के जो शौकीन लोग हैं, मैं उनसे कहता हूं घर में पीयो। कमरे के अंदर पीओ। चौराहे पर मत झूमो। ये इंदौर की प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई बात है। दुनिया में कहीं नाइट कल्चर नहीं था, लेकिन हमारे यहां नाइट कल्चर (सराफा) था। मैं 67 साल का हूं और बचपन से देख रहा हूं सराफा के नाइट कल्चर में लोग परिवार सहित आते हैं और जमकर खाते हैं। कांग्रेस ने उनके इस बयान पर आपत्ति ली है। इसके बाद 13 जुलाई 2024 को सरकार ने नाइट कल्चर पर पाबंदी लगाते हुए रात 11 बजे तक दुकानें बंद करने के आदेश जारी किए थे।

21 सितंबर 2024 - गृह मंत्रालय को नशे के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा... *मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से परदेसीपुरा पुलिस चौकी को चेतावनी देते हुए कहा- 'तीन दिनों के अंदर नशे का कारोबार बंद होना चाहिए, नहीं तो चौथे दिन सख्त कदम उठाए जाएंगे। यदि किसी नेता का फोन नशा करने वाले या नशा बेचने वाले को छुड़ाने के लिए आता है, तो थाना प्रभारी सीधे मुझसे संपर्क करें। यहां तक कि अगर मंच पर बैठा कोई व्यक्ति भी इस अवैध धंधे में शामिल पाया जाता है, तो उसकी सिफारिश भी न मानी जाए।'*

सौजन्य भेंट

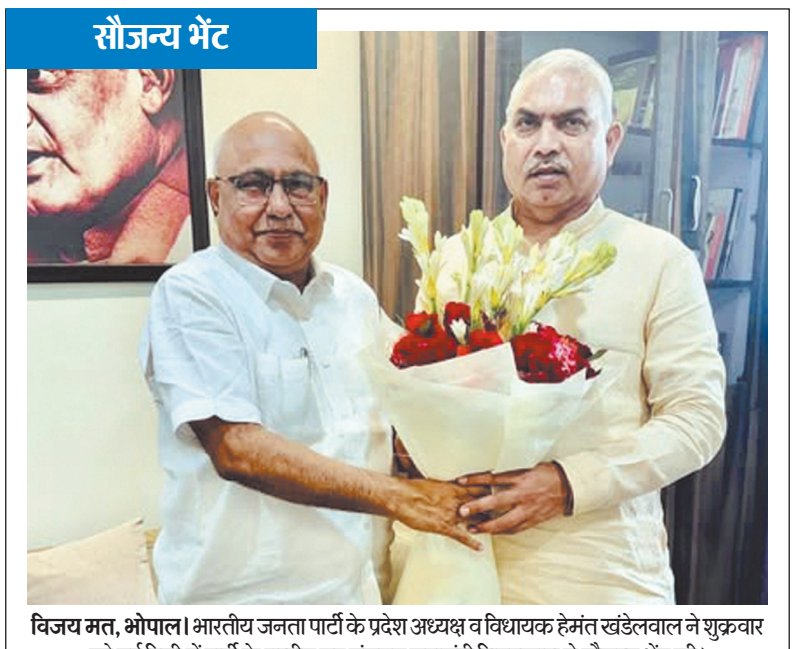

विजय मत, भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश से सौजन्य भेंट की।

शुद्ध जल का करें उपयोग, जलजनित रोगों से स्वयं को रखें सुरक्षित, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

भोपाल। वर्षा ऋतु में होने वाली जलजनित बीमारियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और दूषित जल से होने वाले रोगों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ अपनाएँ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुद्ध जल का उपयोग करने एवं जलजनित रोगों से सुरक्षा के लिए सलाह दी गई है। दूषित पानी के सेवन से उल्टी-दस्त, पेचिश, हैजा, पीलिया और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियाँ होने की संभावना बढ़ जाती है। एडवाइजरी में कहा गया है कि रोगों से बचने के लिए सावधानियाँ और सुरक्षा उपाय अपनाकर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित करें। स्वास्थ्य विभाग एडवाइजरी में कहा है कि खानपान के लिए सदैव स्वच्छ एवं सुरक्षित उबला अथवा फिल्टर जल का ही प्रयोग करें। यदि पानी की शुद्धता संदिग्ध हो, तो उसे पहले उबालें, साफ कपड़े से छानें अथवा क्लोरीन की गोली डालें और कम से कम एक घंटे के बाद उसका सेवन करें। खाना बनाने, परोसने और खाने से पहले तथा शौच के बाद हाथों को साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोना अत्यंत आवश्यक है। यह सरल आदत कई रोगों से बचाव में सहायक होती है।

न्यूज़ इन शॉर्ट

जनसंख्या वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति सतर्कता जरूरी: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनसंख्या की असंतुलित बढ़ोतरी समाज और राष्ट्र के साथ आवश्यक संसाधनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। विश्व जनसंख्या दिवस जागरूक करता है कि सुरक्षित भविष्य और भावी पीढ़ियों को बेहतर दुनिया प्रदान करने के लिए हम जनसंख्या विस्फोट जैसी स्थिति से बचें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए हैं।

मंत्रालय वल्लभ भवन क्रमांक-1 के रेनोवेशन संबंधी हुई बैठक

भोपाल। मंत्रालय वल्लभ भवन क्रमांक-1 के रेनोवेशन संबंधी बैठक अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में हुई। वर्तमान में इस भवन में मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय सहित 19 विभाग कार्य कर रहे हैं। बैठक में विभागों के स्थान परिवर्तन पर विचार-विमर्श किया गया। जीर्णोधार एवं उन्नयन में अग्निशमन, विद्युत, लिफ्ट, शौचालय, एयर कंडीशन, फर्नीचर की व्यवस्था एवं उच्च गुणवत्ता का ध्यान रखे जाने पर बल दिया गया। बैठक में संबंधित विभागों के अपर सचिव, उपसचिव सहित कार्यपालन यंत्री, उपस्थित थे।

"शहरी उत्कृष्टता के लिए आधुनिक तकनीक विषय" पर सत्र में हुई चर्चा

भोपाल। ब्रिलियेंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में शुक्रवार को मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉनक्लेव 2025 के अंतर्गत "शहरी उत्कृष्टता के लिए आधुनिक तकनीक विषय" इंटीग्रेटिंग टेक्नोलॉजी फॉर अर्बन एक्सीलेंस विषय पर सत्र का आयोजन हुआ जिसमें शहरी विकास में आधुनिक तकनीकों जैसे एआई, आईओटी, क्वांटम तकनीकों के प्रयोग पर विस्तृत चर्चा की गई। सत्र में विनय ठाकुर, स्पेशल डायरेक्टर जनरल बिसेग-एन ने बताया कि शहरी क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसंरचना के विकास के लिए आधुनिक तकनीक के एकीकरण से नागरिकों के पक्ष में उपयोग किया जाए जिसमें परिवहन सुविधा, स्मार्ट पुलिसिंग, जिओ टैगिंग कर रेरा नियामकों की मॉनिटरिंग और एआई टूल का मैनेजमेंट के संबंध में बताया गया। सत्र में आर. के. मिश्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर, एनआईसीएसआई ने बताया कि आधुनिक तकनीक के समायोजन के लिए भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एनआईसीएसआई के द्वारा शहरी विकास के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। कमलाकन्नन थीरुवादी, रीजनल एग्जीक्यूटिव, दक्षिण एशिया बेंटली सिस्टम ने कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में ग्रोथ कॉनक्लेव का आयोजन होना सुखद हैं। उन्होंने कहा कि शहरी अवसंरचना में आधुनिक तकनीक के समायोजन में डिजिटल ट्विन जिसमें रियलटाइम में डेटा का उपयोग करके उसके व्यवहार के अनुकरण के आधार पर एनालिसिस कर कार्ययोजना बनाया जाना आवश्यक हैं। जिससे कई समस्याओं के समाधान के लिए उपलब्ध डाटा का प्रयोग कर रियलटाइम एनालिसिस कर समग्र रूप से समाधान उपलब्ध कराया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश में कई संगठन ऐसे है जो रियलटाइम डाटा का उपयोग कर प्रबंधन का कार्य कर रहे है। जो भविष्य के लिए सहायक सिद्ध होंगे।

भविष्य के लिए सतत हरित शहरीकरण विषय पर हुआ सत्र

भोपाल। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार को हुये सत्र में मध्यप्रदेश ग्रोथ कान्क्लेव 2025 के अंतर्गत "भविष्य के लिए सतत हरित शहरीकरण" सत्र में इंटीग्रेटेड टाउन प्लानिंग, वेस्ट मैनेजमेंट, हरित बुनियादी ढांचे का विकास, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण स्मार्ट सिटी एवं नागरिकों की भागीदारी विषयों पर विचार मंथन किया। प्रमुख सचिव पर्यावरण नवनीत मोहन कोठारी ने कहा है कि सरकार नीतियों एवं चुनौतियों को सुदृढ़ करते हुये हरित नगरों का विकास कर सतत विकास को बढ़ावा देने का प्रयास जारी है। शहरों का विकास इस तरह से करना चाहिए कि पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो और लोगों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सके।

कॉमन सर्विस सेंटर लोगों को सुविधा और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का साधन

विजय मत, भोपाल

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर जहां एक ओर लोगों को सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है, वहीं इसके माध्यम से युवाओं को रोजगार के साधन भी उपलब्ध हो रहे है। देश के विकास में सरकार के लिये गये निर्णयों में सीएससी का गठन सबसे अग्रणीय निर्णय रहा। आज भारत देश डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले में नम्बर एक पर है। मंत्री सारंग ने यह बात सीएससी दिवस के उपलक्ष्य में आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित कार्यशाला में कहीं। इस अवसर पर सीएससी के राज्य प्रमुख अतुलित राय भी उपस्थित थे। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास और कल्याण के कार्य किये जा रहे है। प्रधानमंत्री मोदी ने पारदर्शिता के साथ योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है, इसमें बीएलई की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर व्यक्ति में ईमानदारी और कर्त्तव्य बोध है, इसे जगाने की जरूरत है। सीएससी के माध्यम से लोगों तक सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। बीएलई प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से लोगों और सरकार का काम कर रहे। उनके व्यवहार, आचरण और कार्य पद्धति से व्यवस्था परिलक्षित होती है। बीएलई द्वारा लोगों के किये गये कार्य से उसे पैसों के साथ दुआएं भी मिलती हैं। मंत्री सारंग ने सुझाव दिया कि सीएससी में सुझाव और शिकायत की भी व्यवस्था हो और वर्ष में सीएससी में परफॉर्मेंस और उनके व्यवहार के आधार पर अवार्ड दिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन बीएलई का व्यवहार अच्छा रहे उन्हें सम्मानित करें, जिससे दूसरे लोग भी प्रेरित हों। उन्होंने बीएलई से कहा कि सीएससी में सफाई व्यवस्था उसका उन्नयन और नवाचार करने से आपकी साख बढ़ेगी और विकसित भारत की परिकल्पना पूर्ण होगी।

डिजिटल ट्रांजेक्शन में भारत देश एक नम्बर पर: सारंग

समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी की लिमिट तय

भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा मध्य प्रदेश को 3.5 लाख टन मूंग खरीदने की अनुमति दी है।केंद्र की इस अनुमति को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक किसान से अधिकतम 100 क्विंटल मूंग खरीदने का निर्णय लिया है। समर्थन मूल्य पर 100 क्विंटल से ज्यादा मूंग की खरीदी सरकार नहीं करेगी। एक हेक्टेयर में 12 क्विंटल मूंग का उत्पादन होता है। सरकार ने अधिकतम सीमा 100 क्विंटल तय की है। प्रत्येक जिले के लिए अलग-अलग सीमा तय की गई है। विदिशा में एक हेक्टेयर पर 10 क्विंटल, खंडवा में 11 क्विंटल, राजगढ़ में 10.50 क्विंटल, सागर में 7.80 क्विंटल, दमोह में 10.25 क्विंटल, छतरपुर में 6.40 क्विंटल, मुरैना में 7 क्विंटल, शिवपुरी में 7.90 क्विंटल तथा खरगोन में 8.50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के मानक से मूंग खरीदी किसानों से की जाएगी।

भोपाल होगा भिक्षावृत्ति मुक्त आश्रय स्थल संचालन के लिये स्वैच्छिक संस्थाओं से 15 जुलाई तक प्रस्ताव आमंत्रित

विजय मत, भोपाल

भोपाल जिले कों भिक्षावृत्ति मुक्त करने के लिए गठित किए गए 08 दल शहर में भ्रमण कर छापामार कार्यवाही करेंगे। इसके लिए सभी गठित दलों का साप्ताहिक रोस्टर तैयार किया गया है। इसके साथ ही वृद्ध एवं बीमार भिक्षुओं के लिए शासकीय हमीदिया अस्पताल में इलाज के लिए विशेष वार्ड तैयार करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को एडीएम प्रकाश नायक की अध्यक्षता एवं सभी एसडीएम की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णय लिया गया कि भिक्षुओं के लिए गठित दल रोस्टर की हिसाब से भोपाल के अनुविभागीय क्षेत्रों में भ्रमण करेगा। इसके साथ ही दलों में पुलिस विभाग, नगर निगम, श्रम, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय को शामिल किया गया है।

महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के लिए प्रभावी कानून: POSH अधिनियम 2013

विजय मत, भोपाल

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुसोनाली मिश्रा ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिये भारत सरकार द्वारा वर्ष 2013 में लागू किया गया। इस कानून में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम (POSH एक्ट, 2013) महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी और मजबूत कानूनी संरचना के रूप में सामने आया है। इस अधिनियम का उद्देश्य कार्यस्थलों पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करना, उत्पीड़न की घटनाओं को रोकना, और समुचित समाधान की प्रक्रिया उपलब्ध कराना है। सुमिश्रा शुक्रवार को मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा पं. सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षण संस्थान में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013 पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। सुमिश्रा ने कहा कि POSH अधिनियम महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक पहल है।

ई-केवायसी कराने के बाद 20 लाख नये हितग्राहियों को पात्रता पर्ची जारी करने विंडो ओपन: राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिये ई-केवायसी करवाई जा रही है। गत 5 माह में एक करोड़ से अधिक हितग्राहियों की ई-केवायसी कराई जा चुकी है और अब लगभग 20 लाख नवीन पात्र हितग्राहियों को पात्रता पर्ची दी जा सकेगी। इन नवीन हितग्राहियों को पात्रता पर्ची जारी करने के लिये विंडो ओपन किया जा रहा है। आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने जानकारी दी है कि प्रदेश की लगभग 27 हजार उचित मूल्य दुकानों पर लगाई गई पीओएस मशीन से पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी करने की व्यवस्था के अतिरिक्त वृद्ध, बच्चों के तथा हितग्राही द्वारा घर बैठे ई-केवायसी करने की सुविधा भारत सरकार के मेरा ई-केवायसी एप से फेस एथेंटिकेशन द्वारा करने की सुविधा दी गई है।

गर्भवती महिला लीला ने की सड़क की मांग, भाजपा सांसद बोले- तारीख बताओ... उठवा लेंगे, मंत्री भी यह कह गए

विजय मत, ब्यूरो, सीधी

मध्य प्रदेश के सीधी जिले की एक गर्भवती महिला लीला साहू ने गांव की कच्ची और कीचड़ भरी सड़कों की समस्या को लेकर एक बार फिर आवाज उठाई है। नौ महीने की गर्भवती लीला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि सड़क की कमी के कारण अस्पताल जाना उनके लिए कितना जोखिम भरा है। लीला का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के अजीब-गरीब बयान सामने आए।

सांसद मिश्रा ने लीला से उनकी डिलीवरी की तारीख पूछते हुए कहा- तारीख बताओ, हम तुम्हें उठा लेंगे। वहीं, मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि कोई भी कुछ सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा तो क्या हम उसकी हर मांग मान लेंगे। पीडब्ल्यूडी या किसी भी विभाग के पास इतना बजट नहीं होता कि किसी सोशल मीडिया पोस्ट पर हम डंपर या सीमेंट-कंक्रीट लेकर सड़क बनाने पहुंच जाएं। भाजपा के दो बड़े नेताओं के ऐसे बयान सामने आने के बाद प्रदेश में सियासी माहौल भी गरमा गया है।

दरअसल, सीधे जिले में रहने वाली लीला साहू गर्भवती हैं। उनकी डिलीवरी का समय भी लगभग पूरा हो चुका है। लीला पिछले करीब एक साल से अपने गांव में पक्की सड़क की मांग कर रही हैं, लेकिन अब तक उनकी मांग अनसुनी रही। लीला ने कहा, मैंने भाजपा को वोट दिया, लेकिन सड़क का वादा पूरा नहीं हुआ। डबल इंजन सरकार से उम्मीद थी, पर हमें सिर्फ बहाने मिले। अपने वीडियो में लीला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से अपील करते हुए कहा कि उनके गांव तक सड़क बनाई जाए, जिससे उनकी और उनके बच्चे की जान को कोई खतरा न हो। लीला का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के बयान सामने आए। सांसद मिश्रा ने कहा, सड़क बनने में समय लगता है। अलग-अलग कारणों से कई बार काम रुक जाता है।

विजय मत एंकर एमपी ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025: मध्यप्रदेश में शहरी विकास के क्षेत्र में निवेश के बेहतर अवसर

ओवरव्यू ऑफ अर्बन पॉलिसीज एंड इन्वेस्टमेंट ऑर्पाच्युनिटीज पर हुआ विशेष सत्र

विजय मत, भोपाल

ओवरव्यू ऑफ अर्बन पॉलिसीज़ एंड इन्वेस्टमेंट ऑर्पाच्युनिटीज़ विषय पर विशेष सत्र में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार की नीतियाँ, कुशल प्रशासन, हरित पर्यावरण और समर्पित मानव संसाधन निवेशकों के लिए राज्य को एक परफेक्ट इन्वेस्टर डेस्टिनेशन बनाते हैं। उन्होंने निवेशकों से मध्यप्रदेश के शहरी विकास में निवेश करने का आग्रह किया। दुबे इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 के तहत ओवरव्यू ऑफ अर्बन पॉलिसीज़ एंड इन्वेस्टमेंट ऑर्पाच्युनिटीज़ सत्र को संबोधित कर रहे थे।

अपर मुख्य सचिव दुबे ने निवेशकों को बताया कि प्रदेश में विकास के हर घटक जैसे ट्रांसपोर्टेशन, अधोसंरचना विकास, सर्विस सेक्टर और ऊर्जा क्षेत्र के लिए विशिष्ट नीतियाँ तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में रियल टाइम इन्वेस्टमेंट की व्यापक संभावनाएँ हैं, और जहाँ ग्रोथ की संभावना हो वहाँ निवेश स्वाभाविक रूप से लाभकारी निर्णय होता है। उन्होंने जानकारी दी कि शासन द्वारा सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया गया है, जिससे निवेशकों को शासकीय अनुमतियाँ प्राप्त करने में अधिक सुविधा होगी। विभागों की जवाबदेही निर्धारित की गई है जिससे निवेशकों को सहयोग मिले।

अपर मुख्य सचिव दुबे ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के लिये बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर है। राज्य में 20 रेलवे जंक्शन, एक मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क, 6 एयरपोर्ट निवेशकों के लिये बड़ी सुविधा है। उन्होंने एमपी रिडेंनसीफिकेशन पॉलिसी, एमपी टीडीआर रूल्स, टीओटी पॉलिसी 2019 और इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी के आकर्षक बिन्दुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभाग अंतर्गत लगभग 15 हजार 700 करोड़ रुपये के 93 प्रोजेक्ट प्रक्रियाधीन है।

हनी ट्रैप कांड की सिडी मामले में कमल नाथ और गोविंद सिंह को राहत, जनहित याचिका खारिज

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

मध्य प्रदेश के चर्चित हनीट्रैप कांड की सीडी को लेकर लगाई गई जनहित याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। यह सीडी पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने अपने पास होने का दावा किया था और गोविंद सिंह ने भी इस मामले में बयान दिए थे। तब इंदौर के एक वकील ने इस मामले में जनहित याचिका लगाई थी। नाथ के बयान सामने आने के बाद हनीट्रैप मामले में गठित एसआईटी ने भी नाथ को बयान देने के लिए उपस्थित होने को कहा था।

याचिका में दावा किया गया था कि दोनों नेताओं ने बयान दिया था कि उनके पास हनीट्रैप की सीडी है। इसके आधार पर जांच के लिए एसआईटी की सीडी उनके द्वारा सौंपी जाना चाहिए। गोविंद सिंह सरकार में मंत्री थे। बाद में उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। दोनों के खिलाफ दो साल पहले जनहित याचिका दायर की गई थी। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि केस को लेकर आरोप पत्र दाखिल हो चुके है और प्रकरण चल रहा है। याचिकाकर्ता को अखबारों की खबर के माध्यम से सीडी को लेकर जानकारी मिली। सीडी को लेकर व्यक्तिगत रुप से यह जानकारी नहीं दी गई कि सीडी उनके पास है। सिर्फ खबर के आधार पर ठोस सबूत नहीं माना जा सकता है। प्रदेश के हनीट्रैप मामले में इंदौर से एक युवती और एक ड्राइवर को विजयनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com

न्यूज इन शॉर्ट

एक थी अहिल्या काव्य संग्रह का लोकार्पण आज

भोपाल। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भोपाल इकाई के तत्वावधान में कवयित्री प्रतिभा श्रीवास्तव की स्त्रियों के अनसुने प्रश्नों की सशक्त काव्यात्मक अभिव्यक्ति, उनके काव्य संग्रह एक थी अहिल्या का लोकार्पण समारोह 12 जुलाई, 2025 को दोपहर 2:30 बजे, दुष्यंत संग्रहालय, शिवाजीनगर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय साहित्य परिषद भोपाल इकाई की अध्यक्ष एवं उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी करेंगी। मुख्य अतिथि होंगी अभासाप की राष्ट्रीय मंत्री और निराला सृजन पीठ की निदेशक डॉ. साधना बलवटे, जबकि सारस्वत अतिथि के रूप में लेखिका संघ की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम गुप्ता उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम का संचालन परिषद की महामंत्री सुनीता यादव द्वारा किया जाएगा। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भोपाल इकाई की ओर से सभी साहित्यप्रेमी, लेखक, कवि एवं रसिक श्रोता गण सादर आमंत्रित हैं।

महापौर राय ने किया विविधा के राखी संस्करण का उद्घाटन, प्रदर्शनी का भी किया अवलोकन

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने विविधा के राखी संस्करण 2025 का उद्घाटन किया एवं यहां आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। महापौर श्रीमती मालती राय ने शुक्रवार को होटल पलाश में मध्यप्रदेश एसोसिएशन ऑफ इन्टरप्रिन्योर द्वारा आयोजित विविधा राखी संस्करण 2025 का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। महापौर श्रीमती राय ने यहां आयोजित प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और विभिन्न उत्पादों के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने आयोजकों को प्रदर्शनी आयोजन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

विधायक शर्मा की अध्यक्षता में हुई रोगी कल्याण समिति बैठक

भोपाल। सिविल अस्पताल बैरागढ़ में रोगी कल्याण समिति साधारण सभा बैठक क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें अस्पताल में दी जा रही सेवाओं , उन्नयन कार्यों एवं सेवाओं के विस्तारीकरण पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा, अस्पताल अधीक्षक डॉ. जे. के. जैन सहित नगर निगम, एमपीईबी, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में चिकित्सालय के नवीन भवन के लोकार्पण, जल प्रदायगी, सोनोग्राफी, किचन व्यवस्था, दिव्यांग एवं वृद्धजनों के लिए पृथक दवा काउंटर, औषधीय पौधों का गार्डन विकसित करने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए एवं आवश्यक निर्देश जारी किए गए। बैठक में विधायक ने कहा कि रोगी कल्याण समिति का एक-एक पैसा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने में उपयोगी सिद्ध हो,बैठक में स्वागत सत्कार की परंपरा न की जाए। विधायक ने निर्देश दिए कि नवीन भवन के लोकार्पण के पहले अस्पताल प्रशासन की टीम के साथ सभी सुविधाएं उपकरण एवं फर्नीचर की व्यवस्था पूर्ण की जाए। औषधि वितरण केंद्र सहित अन्य जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जावे। अस्पताल में जल प्रदाय व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण करने के लिए नगर निगम द्वारा एस्टीमेट प्रस्तुत कर स्वीकृति शीघ्र नल कनेक्शन की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। अस्पताल में प्रतिदिन सोनोग्राफी के लिए रोगी कल्याण समिति से सोनोलॉजिस्ट की व्यवस्था, मरीजों की भोजन व्यवस्था के लिए दीनदयाल रसोई की स्थापना, परिजनों एवं स्टाफ के लिए जलपान गृह, दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के भर्ती मरीजों के परिजनों के लिए रैन बसेरा बनाए जाने पर चर्चा कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि अस्पताल में सफाई व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें और बेड शीट डे वाइस बदली जाएं। विधायक ने अस्पताल में पुलिस चौकी स्थापित करने एवं जनऔषधि केंद्र खोलने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया "कल के शहरों का निर्माण" प्रदर्शनी का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने की शहरी विकास के मॉडल एवं नवाचारों पर केन्द्रित प्रदर्शनी की सराहना

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में ÷मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025÷ अन्तर्गत कल के शहरों का निर्माण थीम पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में विकास के लिए संचालित विभिन्न प्रोजेक्ट्स के माध्यम से विकसित सुदृढ़ अधोसंरचना, नवाचारों, निवेश प्रोत्साहन नीतियों एवं योजनाओं से संबंधित प्रकल्प प्रदर्शित किए गए। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की।

हरित विकास नवाचार

प्रदेश में हरित विकास को बढ़ावा देने वाली विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के नवाचारों को भी प्रदर्शनी में शामिल किया गया। मध्य भारत में पॉलीकार्बोनेट शीट जो पूर्णतः हरित उत्पाद है के माध्यम से घरों में प्राकृतिक रोशनी आसानी से उपलब्ध होगी। शहरी क्षेत्रों में पार्किंग की समस्या के निराकरण के लिए रोबोटिक पार्किंग सिस्टम बनाए जाने के संबंध में मॉडल, इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कचरा संग्रहण एवं कचरा निस्तारण के लिए ईवी का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन कार्यों में लगे प्रदेश के उद्योगपतियों की सराहना की। प्रदर्शनी में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, भोपाल विकास प्राधिकरण, उज्जैन विकास प्राधिकरण, अमृत हरित अभियान आदि प्रदर्शनियों का प्रदर्शन किया गया जो प्रदेश के गतिशील औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र एवं नवाचारों का प्रोत्साहन, तेजी से विकसित होती आईटी अवसंरचना, शहरी सुदृढ़ अधोसंरचना एवं समावेशी शहरी विकास शामिल है। प्रदर्शनी में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित अनेक जनप्रतिनिधि, निवेशक आदि उपस्थित थे।

इंदौर विकास के मॉडल की झलक

प्रदर्शनी में इंदौर विकास प्राधिकरण की अधोसंरचना विकास के लिए अपनाए गए मॉडल जिसमें पीपीपी मोड पर आधारित बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स पार्क के निर्माण, एयरपोर्ट के पास कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के लिए निर्माणाधीन स्टार्टअप पार्क को प्रकाशित किया गया। प्रदर्शनी में सारे प्रोजेक्ट्स की जानकारी को डिजिटली उपलब्ध कराने के लिए क्यूआर कोड की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डिजिटल व्यवस्था देखकर प्रसन्नता व्यक्त की।

कल के शहरों में मेट्रो रेल की भूमिका

"कल के शहरों" के निर्माण में मेट्रो रेल की भूमिका को दर्शाने वाली प्रदर्शनी में इंदौर मेट्रो रेल परियोजना (येलो लाइन), भोपाल मेट्रो रेल परियोजना (ऑरेंज और ब्लू लाइन), रोलिंग स्टॉक (ट्रेन) देशी तकनीक से निर्मित आधुनिक मेट्रो ट्रेनें, सूचनात्मक पैनल को प्रदर्शित किया गया जिसके माध्यम से कल के शहरों में आवागमन के सशक्त साधन को दिखाया गया है।

टेक्नोलॉजी आधारित प्रकल्प

टेक्नोलॉजी आधारित विकास की पांच परिवर्तनकारी नीतियाँ आईटीईएस एवं ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (त्ष्टष्ट) नीति 2025, ड्रोन प्रोत्साहन एवं उपयोग नीति 2025, एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) नीति 2025, सेमीकंडक्टर नीति 2025 का प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम इंदौर द्वारा एक विशेष प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की गई जिसमें राज्य के प्रमुख अधोसंरचना परियोजना के गतिशील औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र, तेजी से विकसित होती आईटी अवसंरचना, और समावेशी शहरी विकास को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में विशेष रूप से इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर, आईटी पार्क-3, इंदौर, आईटी पार्क-4, सुपर कॉरिडोर, इंदौर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास, रेडीमेड गारमेंट कॉम्प्लेक्स में प्लग एंड प्ले सुविधा को प्रदर्शित किया गया।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में डूबा युवक, रेस्क्यू जारी

खजुराहो में फोरलेन हाइवे पर भरा पानी 20 जिलों में अति भारी बारिश का है अलर्ट

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को कटनी, उमरिया, सीधी और छतरपुर समेत कई जिलों में पानी गिरा। लगातार बारिश से नदी नाले उफान पर आ गए हैं। सतना के चित्रकूट में एक युवक मंदाकिनी नदी में बह गया। उसकी तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। खजुराहो में लगातार तेज बारिश के चलते झांसी-खजुराहो फोरलेन हाइवे पर करीब 3 फीट तक पानी भर गया है। उमरिया जिले में भी झमाझम बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को 20 जिलों में अति भारी बारिश और 12 जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले बीते 24

घंटे के दौरान रीवा में सबसे ज्यादा 3.7 इंच पानी गिर गया। ग्वालियर में भी भारी बारिश दर्ज की गई। यहां ढाई इंच पानी गिरा। छतरपुर के खजुराहो में 1.9 इंच, जबलपुर में 1.6 इंच, मंडला में 1.4 इंच, टीकमगढ़ में 1.2 इंच और सतना में 1 इंच बारिश हुई। दतिया, उमरिया, दमोह, बालाघाट, रतलाम, सागर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, गुना, मऊगंज, सीहोर समेत कई जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहा।

खजुराहो में अस्थाई पुल बहा, तीन गांवों का संपर्क टूटा... *खजुराहो और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश से भूसोर-गंगऊ बांध के बीच पुखराव नाले पर बना अस्थाई पुल तेज बहाव में बह गया है। इसे केन बेतवा लिंक परियोजना के निर्माण कार्य के दौरान पुराने रपटे को तोड़कर बनाया गया था। आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। पन्ना टाइगर रिजर्व स्थित खरयानी, पलकोहा और ढोड़न गांवों का बाहरी क्षेत्रों से संपर्क टूट गया है। पलकोहा गांव की गर्भवती महिला प्रसव के लिए अस्पताल नहीं पहुंच पा रही है।*

खजुराहो में फोरलेन पर भरा 3 फीट तक पानी

खजुराहो में झांसी-खजुराहो फोरलेन पर बमीठा से खजुराहो के बीच पर करीब 3 फीट से ज्यादा पानी भर गया है। इससे आवागमन बाधित हो गया है।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में डूबा युवक, रेस्क्यू जारी

सतना के चित्रकूट में एक युवक मंदाकिनी नदी में डूब गया। हादसा स्फटिक शिला के पास शु वार सुबह हुआ। सूचना मिलते ही एसडीईआरएफ और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश में रेस्क्यू शुरू किया।

आकाशीय बिजली गिरने से बच्चे की मौत

शहडोल जिले के ब्यौहारी क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से 13 साल के लड़के की मौत हो गई। टांघर गांव का रहने वाला मनीष सिंह गोड़ खेत में काम कर रहा था। तभी हादसे का शिकार हो गया।

'हम पौधे रोपे, आप उखाड़ दें, मेरे पास इसके सबूत'

भोपाल जिपं की मीटिंग में खनिज अफसर पर भड़के उपाध्यक्ष, बोले-मैं गलत तो इस्तीफा दे दूंगा

विजय मत, भोपाल

भोपाल जिला पंचायत में शुक्रवार को हुई साधारण सभा की मीटिंग में उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट खनिज विभाग के अफसरों पर भड़क उठे। उन्होंने कहा कि सरकार पौधे रोप रही हैं। अभियान चला रही है। हमने भी जंगल और गांवों में पौधे रोपे, लेकिन खनिज खदानों के आसपास से इन्हीं पौधों को उखाड़ दिया गया। मेरे पास इसके सबूत है। यदि मैं गलत हूं तो इस्तीफा दे दूंगा।

मीटिंग में सरकारी स्कूलों की जर्जर बिल्डिंग से लेकर सड़कों, आयुष्मान कार्ड और खनिज विभाग को लेकर मुद्दे उठे। जिनमें जनप्रतिनिधियों ने जमकर भड़ास निकाली। उपाध्यक्ष जाट ने खनिज अफसरों को आड़े हाथों लिया। कहा कि जिले में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। जिम्मेदार अफसरों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। हमने जहां पर पौधे रोपे, उन्हें ही खनिज खदान संचालकों ने जेसीबी से उखड़वाकर फेंक दिया, जबकि खदान की निश्चित सीमा होती है और तार फ्रेंसिंग कराना पड़ती है। पूरे जिले में नियम से ज्यादा खनन हो रहा है। इसमें जिम्मेदार भी शामिल हैं।

उपाध्यक्ष की इस बात से सदस्य विनय मेहर, विक्रम भालेश्वर, रश्मि भार्गव ने भी सहमति जताई। सदस्य मेहर ने कहा कि ऐसा पूरे जिले में ही हो रहा है। जनप्रतिनिधियों की बात सुनकर सीईओ ईला तिवारी ने नाराजगी जताई और जिले की सभी खदानों के आसपास तार फेंसिंग कराने को कहा। जिपं अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि दीपक गुर्जर भी मौजूद थे।

खाटूश्यामजी में दुकानदारों ने मप्र के श्रद्धालुओं को पीटा, बारिश से बचने दुकान में घुसा था परिवार

महिलाएं बोलीं- हमें बहुत मारा, मंगलसूत्र तोड़ा

विजय मत, भोपाल

खाटूश्याम मंदिर में दर्शन करने आए मध्यप्रदेश के श्रद्धालुओं से दुकानदारों ने बीच बाजार में जमकर मारपीट की। खाटूश्यामजी में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे बारिश हो रही थी। बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु एक दुकान में चले गए थे। इस पर दुकानदार ने उनको बाहर जाने के लिए कहा। श्रद्धालुओं ने दुकानदार से थोड़ी देर वहीं पर रुकने देने की गुहार लगाई। इसी बात को लेकर दुकानदार ने धक्का-मुक्की शुरू कर दी। मामला इतना बढ़ गया कि दुकानदारों ने लाठी

और डंडों से पिटाई करना शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं का कहना है कि दुकानदारों ने महिलाओं के साथ भी मारपीट की। यहां तक की उनके मंगलसूत्र और सोने की चेन तक तोड़ दी। पुलिस ने मामले में 4 दुकानदारों को गिरफ्तार किया है। एसएचओ पवन चौबे ने बताया- सुबह करीब 10 बजे मध्यप्रदेश के उज्जैन से कुछ श्रद्धालु दर्शन करने के लिए खाटूश्यामजी आए हुए थे। इस दौरान खाटू में बारिश हो रही थी। श्रद्धालु बारिश से बचने के लिए श्याम कुंड जाने वाले रास्ते पर एक दुकान में रुक गए। इस पर दुकानदार ने इन लोगों को बाहर जाने को कहा, लेकिन उन्होंने वहीं पर रुकने देने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दुकानदार ने धक्का-मुक्की शुरू कर दी। मामला इतना बढ़ गया कि दुकानदारों ने लाठी और डंडों से पिटाई करना शुरू कर दिया।

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 89 आवारा 'श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा

भोपाल। नगर निगम द्वारा आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी व एंटीरैबीज टीकाकरण की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। कार्यवाही के इसी क्रम में निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 89 आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा। निगम अमले ने नसबंदी उपरांत 67 श्वानों को वापस छोड़ा। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने शुक्रवार को विभिन्न जोन क्षेत्रों में आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही करते हुए 30 श्वानों को कजलीखेड़ा स्थित एबीसी सेंटर भेजा जबकि 28 श्वानों को आदमपुर तथा 31 श्वानों को अरवलिया एबीसी सेंटर भेजने की कार्यवाही की।

रक्षाबंधन पर पूरे दिन बांध सकेंगे राखी, श्रवण नक्षत्र और सौभाग्य योग में मनेगा त्योहार

विजय मत, ब्यूरो, उज्जैन

रक्षाबंधन का पावन त्योहार 9 अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा। इस बार का रक्षाबंधन कई विशेष योगों से युक्त है। पूरे दिन भद्रा का प्रभाव नहीं रहेगा, जिससे किसी भी समय राखी बांधी जा सकेगी। इस वर्ष रक्षाबंधन श्रवण नक्षत्र, सौभाग्य योग, बव करण और पूर्णिमा तिथि में मनाया जाएगा। चंद्रमा मकर राशि में स्थित रहेगा। विशेष बात यह है कि 1728 के बाद पहली बार 2025 में 8 ग्रहों की विशेष स्थिति बन रही है। सूर्य कर्क में, चंद्र मकर में, मंगल कन्या में, बुध कर्क में, गुरु और शुक्र मिथुन में, राहु कुंभ में और केतु सिंह राशि में रहेंगे।

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डब्बावाला के अनुसार, इस दिन विभिन्न समय पर अलग-अलग केंद्र त्रिकोण योग बनेंगे। सर्वार्थ सिद्धि योग में प्रातः से दोपहर 2~40 बजे तक शुभ मुहूर्त रहेगा। सायंकाल में भी शुभ योग में राखी बांधी जा सकेगी।

शनिवार के दिन श्रावण नक्षत्र का संयोग

रक्षा बंधन पर्व पर कई योग संयोग बन रहे है। शनिवार के दिन श्रवण नक्षत्र का योग बहुत कम बनता है। इस दिन चंद्र मकर राशि में रहेगा और मकर राशि के स्वामी शनि है। शनिवार का दिन जिसका स्वामी भी शनि है और श्रवण नक्षत्र जो शनि की राशि की कक्षा में आते है। यह अपने आप में दुर्लभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में श्रवण नक्षत्र का अधिपति विष्णु को बताया गया है। इस दिन सौभाग्य योग भी है, जिसके अधिपति ब्रह्मा है। ऐसे में ब्रह्मा व विष्णु की उपस्थिति में इस बार का रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा।

14 दिन से लापता गजराज लोधी परिवार की गुमशुदगी को लेकर उठाए गंभीर सवाल

सरकार से की अपहरण या हत्या की आशंका पर स्पष्ट जवाब और लापता परिवार को सार्वजनिक रूप से सामने लाने की मांगः जीतू

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अशोकनगर जिले के मूडरा/मुंगावली क्षेत्र में गजराज लोधी, उनके भाई रघुराज लोधी और पूरे परिवार की रहस्यमय गुमशुदगी को लेकर राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पटवारी ने यह भी बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह स्वयं गांव में जाकर परिजनों से मिले थे। परिवारजनों ने बताया कि– एफआईआर दर्ज कराने के बाद से ही गजराज और रघुराज लोधी अपने पूरे परिवार के साथ लापता हैं।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि यह मामला अब सिर्फ एक व्यक्ति या परिवार का नहीं रहा, बल्कि यह मध्यप्रदेश की भयावह कानून व्यवस्था, माफिया तंत्र और सरकार की तानाशाही मानसिकता को उजागर करता है।

14 दिन बीत चुके हैं, पूरा परिवार लापता है – क्या सरकार जानबूझकर सच्चाई दबा रही है? पटवारी ने कहा गजराज लोधी ने खुद बताया था कि उनके साथ मारपीट हुई ,उन्हें मल खिलाया गया, मोटरसाइकिल छीनी गई, धमकाया गया। इसके वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। वह लगातार 15 दिनों तक प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटते रहे, न्याय की गुहार लगाते रहे – लेकिन उनकी बात किसी ने नहीं सुनी। जब मैंने इस घटना की ओर सरकार का ध्यान दिलाया, तो सरकार की तानाशाही इतनी बढ़ गई कि मुझ पर ही स्न्नढ्ढक्रदर्ज करवा दी गई। पीड़ित को न्याय नहीं मिला, बल्कि उसे अपराधी बना दिया गया – यह कैसा न्याय है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मध्यप्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हैं, लेकिन आपकी पार्टी की सरकार में यहाँ महिलाओं से बलात्कार, आदिवासियों पर अत्याचार, किसानों की आत्महत्याएं और माफियाओं का बोलबाला है। आप बताइए, जब एक पीड़ित न्याय माँगने जाए, तो उसे ही साजिशन फँसाया जाएगा? क्या यह अपहरण है या सुनियोजित हत्या? क्या सरकार सच्चाई छुपा रही है? यदि नहीं, तो अब तक परिवार कहां है? उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा? पटवारी ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस इस मामले को अब यूँ ही दबने नहीं देगी। यदि सरकार ने तत्काल कोई कदम नहीं उठाया, तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी और विधानसभा में भी इस मुद्दे को पूरी ताकत से उठाया जाएगा।

विजय मत एंकर देश से 6 संस्थानों का चयन

बीएमएचआरसी को मिली राष्ट्रीय पहचान, रेडिएशन मात्रा की जांच करेगी यहां की लैब

विजय मत, भोपाल

राजधानी के भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) को एक बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि हासिल हुई है। देशभर में चुनिंदा संस्थानों को शामिल कर बनाए गए इंडियन बायोडोसिमीट्री नेटवर्क (IN-BioDoS) में साबीएमएचआरसी की इटोजेनेटिक प्रयोगशाला को शामिल किया गया है। इसके तहत यह लैब अब रेडिएशन के कारण होने वाली आपदा की स्थिति में रेडिएशन के असर का वैज्ञानिक आकलन करेगी और गंभीर परिस्थितियों में इलाज करने के लिए सटीक जानकारी देगी। इस उपलब्धि के साथ बीएमएचआरसी मध्य भारत का पहला और इकलौता संस्थान बन गया है, जिसे इस अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय नेटवर्क में स्थान मिला है। देश में परमाणु ऊर्जा, उद्योग और चिकित्सा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रेडिएशन का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। खासतौर पर चिकित्सा के क्षेत्र में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में रेडियोथेरेपी जैसी तकनीकों के माध्यम से रेडिएशन का व्यापक रूप से प्रयोग किया जा रहा है। ऐसे में यदि

कभी किसी जगह पर रेडिएशन का रिसाव हो जाए या किसी को अनजाने में ज़्यादा मात्रा में रेडिएशन लग जाए, तो डॉक्टरों को इलाज शुरू करने के लिए यह जानना जरूरी होता है कि मरीज को कितनी मात्रा में रेडिएशन से प्रभावित हुआ है। बायोडोसिमीट्री वह वैज्ञानिक तरीका है जिससे यह पता लगाया जाता है कि व्यक्ति के शरीर में रेडिएशन की कितनी मात्रा गई है। इस जानकारी से डॉक्टर सही समय पर सही इलाज शुरू कर पाते हैं।

बीएमएचआरसी के अनुसंधान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ रविंद्र एम समर्थ ने बताया कि हमारी साइटोजेनेटिक लैब अब रेडिएशन से प्रभावित व्यक्तियों के रक्त नमूनों की जांच कर यह बता सकेगी कि उन्हें कितना नुकसान हुआ है। इस तकनीक का उपयोग खासतौर पर आपातकालीन परिस्थितियों में किया जाएगा जैसे परमाणु संयंत्र में दुर्घटना, अस्पताल में उपकरण की गड़बड़ी या किसी प्रकार की रेडिएशन घटना। यह लैब अब देश की अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर आम लोगों पर हुए रेडिएशन के असर का वैज्ञानिक आकलन करेगी और जांच व इलाज की दिशा तय करने में मदद करेगी।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र BARC द्वारा शुरू किए गए इस नेटवर्क में देशभर से केवल 6 संस्थानों को चुना गया है। बीएमएचआरसी के अलावा इसमें चेन्नई, दिल्ली, लखनऊ, मंगलूरु और कलपक्कम की प्रयोगशालाएं शामिल हैं। यह सभी मिलकर देश में रेडिएशन से निपटने की वैज्ञानिक क्षमता को बढ़ाएंगी। डॉ समर्थ ने बताया कि जब किसी व्यक्ति को अत्यधिक रेडिएशन का असर होता है, तो इसका सबसे बड़ा प्रभाव शरीर की कोशिकाओं में मौजूद क्रोमोज़ोम पर पड़ता है। रेडिएशन से क्रोमोज़ोम में टूट-फूट, असामान्य जुड़ाव या अतिरिक्त संरचनाएं बन सकती हैं, जो शरीर के लिए खतरनाक साबित होती हैं। बीएमएचआरसी की साइटोजेनेटिक लैब में मरीज के खून के नमूने लेकर विशेष जैविक तकनीकों जैसे डायसेंट्रिक क्रोमोज़ोम अस्से और माइक्रोन्यूक्लियस अस्से के माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि रेडिएशन से क्रोमोज़ोम में कितनी और किस प्रकार की क्षति हुई है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

उदारता अथवा सद्भावना का अर्थ तुष्टीकरण कदापि नहीं

बिहार वोटर लिस्ट राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का विरोध, बिहार बंद में कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन हुआ कन्हैया कुमार और पप्पू यादव की इस रैली में महागठबंधन का हिस्सा नहीं बने और वाहन में बाहर कर फेंकना अच्छा नहीं है और एक तरफ मोदी जी नीतीश कुमार को अपनी माला में जगह देते हैं वोट आपका अधिकार है लेकिन जानिए संसार में अधिकांश लोग अपने-अपने स्वार्थों में फँसे हुए हैं तथा जहाँ भी किसी का कोई स्वार्थ टकराता है, वह आपकी व्यर्थ निन्दा शुरु कर देता है। मनुष्य किस-किस क्षेत्र में कहाँ तक हटे ? कभी-कभी संघर्ष करना जरूरी हो जाता है। संघर्ष से व्यक्तित्व निखरता है और प्रभाव बढ़ता है। संघर्ष में साथी और विरोधी भी परिस्थिति के अनुसार बदलते रहते हैं। जो कल विरोधी था, वह आज साथी हो सकता है और जो कल साथी था, वह आज विरोधी हो सकता है। केवल मित्रता स्थायी होती है, किंतु मित्र तो जीवन में एक-दो ही होते हैं। उदारताजन्य सद्भावना सबके लिए होनी चाहिए, यद्यपि मित्रता तो एक-दो से ही हो सकती है। उदारता अथवा सद्भावना का अर्थ तुष्टीकरण कदापि नहीं होता है। संघर्ष में अपराध-वृत्तिवाले (क्रिमिनल) दुष्टों का सहारा लेकर विजय पाने पर भी आपको एक दिन पराजय का मुँह देखना पड़ेगा; क्योंकि वे अंत में आपको भी शिकार बनाये बिना न रह सकेंगे। संघर्ष में यह स्मरण रखना उचित है कि किसी व्यक्ति के प्रति मन में घृणा और क्रोध नहीं बसा लेना चाहिए तथा घृणा और क्रोध से प्रेरित होने के बजाय न्याय एवं सत्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। हम समाज-हित में, न्याय के समर्थन में, संघर्ष करें तथा दुष्ट को दण्ड दें, किंतु घृणा अथवा बदले की भावना से किसी को नष्ट करने के लिए उतारु न हो जाएँ। ईश्वर जिसे आयु और आजीविका प्रदान करता है, हमें मूर्खतावश उसके साथ एक क्षणभर में ही उकताहट हो जाती है। जिसे प्रभु जीवन का अवसर दे रहा है, हमें उससे घृणा करने का अधिकार नहीं है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

सनातन राष्ट्र की आत्मा पर सेकुलर-सोशलिस्ट आक्रमण : संविधान के नाम पर हुआ वैचारिक अपहरण

दीपक कुमार द्विवेदी

> इन समस्त चर्चाओं के मध्य जो सत्य है, वह अत्यंत स्पष्ट रूप से स्थापित किया जाना चाहिए–कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता जैसे शब्द भारतीय राष्ट्र की आत्मा और मूल सांस्कृतिक सिद्धांतों के पूर्णतः विपरीत हैं। भारतवर्ष का आधार सनातन वैदिक धर्म और उसकी लोक परंपराएँ हैं; वही इसकी आत्मा है, वही इसकी पहचान। इसके विपरीत धर्मनिरपेक्षता, जिसे अंग्रेज़ी में सेकुलरिज़्म कहा जाता है, भारत की इसी आत्मा को कुचलने का षड्यंत्रकारी औजार बन चुका है।

एक मित्र ने मुझसे एक गंभीर प्रश्न किया–क्या आप बता सकते हैं कि भारतीय राष्ट्र के लिए धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद की अवधारणा क्यों घातक सिद्ध हो रही है? इस प्रश्न ने मुझे कुछ समय पूर्व भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम की याद दिला दी, जहाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबोले जी ने आपातकाल की पचासवीं वर्षगाँठ के अवसर पर एक टिप्पणी की थी, जो आज के इस प्रश्न से प्रत्यक्ष जुड़ती प्रतीत होती है। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्पष्ट रूप से कहा था कि– इन दोनों शब्दों को बाद में, आपातकाल (Emergency) के दौरान, जब देश में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ निलंबित थीं, 1976 में 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से जोड़ा गया। यह संशोधन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की अगुवाई में लाया गया था, जब लोकतंत्र विरोधी शासन, सेंसरशिप, गिरफ़्तारियों और दमनकारी नीतियों के कारण विपक्ष के अधिकांश नेता–जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई सहित–जेल में बंद थे। भारत का संविधान 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया और 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। इस समय संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' (Secular) और 'समाजवादी' (Socialist) जैसे शब्द नहीं थे। यह तथ्य इस बात को पुष्ट करता है कि भारत के संविधान-निर्माताओं ने इन शब्दों को जानबूझकर प्रस्तावना में नहीं जोड़ा था, जबकि उस समय संविधान सभा में पं. नेहरू, डॉ. अम्बेडकर, राजेन्द्र प्रसाद, और पटेल जैसे प्रमुख नेता सक्रिय थे। संविधान सभा की वाद-विवाद कार्यवाही (Constituent Assembly Debates) में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने स्वयं 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को संविधान की प्रस्तावना में जोड़ने का विरोध किया था, यह कहते हुए कि संविधान की मूल धारा ही व्यक्ति को धार्मिक स्वतंत्रता और राज्य को तटस्थ बनाए रखने के लिए पर्याप्त है। अतः यह स्पष्ट है कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद का जोड़ा जाना संविधान की मूल भावना का अंग नहीं था, बल्कि एक राजनीतिक निर्णय था, जिसकी पृष्ठभूमि में आपातकालीन सत्तावाद, तुष्टिकरण की राजनीति और वामपंथी विचारधारा का प्रभाव था। अब यदि हम भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने की बात करें, तो भारतवर्ष एक धर्मप्रधान राष्ट्र रहा है, जिसकी ऐतिहासिक पहचान 'धर्म' के साथ जुड़ी रही है, न कि किसी पश्चिमी अवधारणा जैसे सेकुलरिज़्म के साथ। धर्म यहाँ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनपद्धति रही है, जिसमें सत्य, अहिंसा, संयम, ब्रह्मचर्य, त्याग, आत्मा-परमात्मा का ज्ञान, कर्म और मोक्ष जैसे सिद्धांत निहित हैं।

इसके विपरीत 'सेकुलरिज़्म' की अवधारणा मूलतः यूरोपीय सामाजिक-सांस्कृतिक संघर्षों से उत्पन्न हुई, जहाँ चर्च और राज्य के बीच संघर्ष के कारण धर्म को सत्ता से अलग करने की माँग उठी। भारत में ऐसा कोई संघर्ष कभी नहीं रहा। इसलिए यहाँ धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा थोपना, एक बाह्य वैचारिक प्रत्यारोपण (e&ternal ideological imposition) था, न कि आंतरिक आवश्यकता। भारत में 'धर्मनिरपेक्षता' के नाम पर सबसे अधिक प्रहार बहुसंख्यक हिन्दू समाज की धार्मिक आस्थाओं पर हुआ। उदाहरणस्वरूप- राम जन्मभूमि आंदोलन को लंबे समय तक न्याय नहीं मिला, लेकिन हज सब्सिडी, वक्फ बोर्ड को विशेष अधिकार, और अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को छूट दी जाती रही। कश्मीर में 1990 के दशक में जब चार लाख से अधिक कश्मीरी हिन्दुओं को घर छोड़कर भागना पड़ा, तब भी भारत का धर्मनिरपेक्ष' तंत्र मौन रहा। समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code) को लागू करने से आज भी तथाकथित सेकुलर दल बचते हैं। क्योंकि संपूर्ण विश्व में धर्म यदि कोई है, तो वह केवल एक है–सनातन वैदिक धर्म। इसके अतिरिक्त जो कुछ है, वह या तो मज़हब है या पंथ, जो सीमित, समयबद्ध और राजनैतिक प्रेरणा से उत्पन्न संरचनाएँ हैं। अतः 'धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था' जैसी कोई अवधारणा भारत जैसे धर्मनिष्ठ राष्ट्र में संभव नहीं, क्योंकि धर्म कोई बहुविकल्पीय तत्व नहीं, बल्कि एकमात्र शाश्वत सत्य है। धर्म सापेक्ष शासन संभव है, पर धर्मनिरपेक्ष शासन - जिसे धर्म से विरक्त कहा जाए - भारत जैसे राष्ट्र के लिए केवल आत्मघात है। जब भारत जैसे राष्ट्र को–जिसकी सभ्यता आदि काल से सजीव, सनातन और सार्वभौमिक रही है–धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया, तब यह कोई सामान्य राजनीतिक निर्णय नहीं था, वरन् वह एक सुनियोजित वैचारिक आक्रमण था। वह भी तब, जब 24व मजहबी उन्मादी भीड़ भारत के आँचल को फाड़कर उसका 18व भूभाग काट ले गई। जिन्होंने लाखों हिन्दुओं की हत्या, हज़ारों बहन-बेटियों के साथ बलात्कार, और करोड़ों हिन्दुओं को अपनी ही पुण्यभूमि से विस्थापित करके शरणार्थी बना दिया, उन्हीं के तुष्टिकरण के लिए और वामपंथियों की वैचारिक भूख शांत करने के लिए इंदिरा गांधी ने संविधान की प्रस्तावना में 'सेकुलर' और 'समाजवाद' जैसे शब्द जोड़ दिए। यह केवल संविधान में शब्दों का जोड़ना नहीं था, यह था - भारत की आत्मा में छुरा घोंपना। बहुसंख्यक हिन्दू समाज को, जो इस राष्ट्र की आत्मा, संस्कृति और सभ्यता का वाहक है, उसकी धार्मिक आस्थाओं, परंपराओं और गौरवशाली इतिहास के प्रति अपराधबोध से भर दिया गया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

भारतीय संस्कारों की सरिता, महान परंपरा

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज भारतीय संस्कारों की सरिता, महान परंपरा, भारतीय सभ्यता, वैचारिक अधिष्ठान रूपी आवाज़ अब केवल भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है, यह विश्व भर में फैल रहे हैं और पूरे विश्व को जोड़ रहे हैं इसका एहसास हमें अब होने लगा है, क्योंकि जब हमने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और टीवी चैनलों पर भारत के पीएम के अनेक विदेश दौरों में देखा कि किस तरह वहां पीढ़ियों से बसें भारतीय मूल के लोगों के दिल में उनके पुरखों द्वारा भारत से लाए लोकतांत्रिक मूल्यों, कर्तव्यों से संस्कारों की सरिता का प्रत्यक्ष प्रमाण दिखा जब वे भारतीय पीएम के प्रति इतनी उत्सुकता और अपनी पुरखों की मिट्टी से कोई उनके देश आता है तो उनके दिल के कोने से करोड़ों खुशियों के फव्वारे होते हैं यह हम देखते आ रहे हैं। गोपीनाथ और लुल्ला न्यूयॉर्क के कार्नेगी कॉरपोरेशन की तरफ से नामित '2021 ग्रेट इमिग्रेंट्स (महान प्रवासी) की लिस्ट में शामिल हैं।ये एक गैर सरकारी संगठन है।विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारतीय समुदाय का दबदबा कायम रखते हुए भारतीय मूल के छह किशोरों ने अमेरिका का प्रतिष्ठित डेविडसन फेलो स्कॉलरशिप हासिल कर ली है। सिंगापुर में भारतीय मूल के सीनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव शक्तिबालन बालथंडौथम को अपने लीवर का एक हिस्सा एक साल की बच्ची को दान करने के लिए द स्ट्रेट्स टाइम्स सिंगापुरियन ऑफ द ईयर 2021 का पुरस्कार मिला है, जिससे वह पहले कभी नहीं मिले थे। अमेरिका में मिडिल स्कूल के छात्रों के लिए आयोजित होने वाली एक प्रमुख विज्ञान और इंजीनियरिंग प्रतियोगिता में भारतीय मूल के बच्चों ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता के पांच विजेताओं में भारतीय मूल के चार बच्चे शामिल हैं, जिसमें 14 वर्षीय भारतीय मूल के लड़के ने प्रतियोगिता में शीर्ष पुरस्कार प्राप्त किया है।

साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति की करें तो भारतीय संस्कृति व सभ्यता विश्व की सर्वाधिक प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति व सभ्यता है। इसे विश्व की सभी संस्कृतियों की जननी माना जाता है। जीने की कला हो, विज्ञान हो या राजनीति का क्षेत्र भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा है।अन्य देशों की संस्कृतियाँ तो समय की धारा के साथ-साथ नष्ट होती रही हैं किंतु भारत की संस्कृति व सभ्यता आदिकाल से ही अपने परंपरागत अस्तित्व के साथ अजर-अमर बनी हुई है। पूरे विश्व में भारत अपनी संस्कृति और परंपरा के लिये प्रसिद्ध देश है। ये विभिन्न संस्कृति और परंपरा की भूमि है। भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता का देश है।

भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण तत्व अच्छे शिष्टाचार, तहज़ीब, सभ्य संवाद, धार्मिक संस्कार, मान्यताएँ और मूल्य आदि हैं। अब जबकि हरेक की जीवन शैली आधुनिक हो रही है, भारतीय लोग आज भी अपनी परंपरा और मूल्यों को बनाए हुए हैं। विभिन्न संस्कृति और परंपरा के लोगों के बीच की घनिष्ठता ने एक अनोखा देश, भारत बनाया है। अपनी खुद की संस्कृति और परंपरा का अनुसरण करने के द्वारा भारत में लोग शांतिपूर्ण तरीके से रहते हैं।

साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति के प्रमुख विशेषताओं की करें तो ,(1)आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का समन्वय, (2)- सम्मानता- सम्भाव का होना,(3)- अनेकता में एकता की शक्ति , (4)- भारत माता का हित एवं उन्नति-तरक्की की सोच (5)- ग्रहणशीलता- उत्सवों की प्रांगणता (6)- शास्त्रों की महानता, व उपयोगिता, (7)- विविधता- प्राचीनता (8)-भावनाएँ-विश्वास-परम्पराएं, (9)-गतिशीलता- निरंतरता,(10)- लचीलापन एवं सहिष्णुता,(11)- वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना,(12)- जीवों का संरक्षण, सभी प्राणियों के हितैषी, (13)-लोकहित और विश्व-कल्याण, (14)- पर्यावरण संरक्षण,(15)- नारियों का सम्मान व उत्थान।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वाराएक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, एक भारतीय दुनिया में कहीं भी रहे, कितनी ही पीढ़ियों तक रहे, उसकी भारतीयता, उसकी भारत के प्रति निष्ठा, लेश मात्र भी कम नहीं होती। वो भारतीय जिस देश में रहता है पूरी लगन और ईमानदारी से उस देश की भी सेवा करता है। जो लोकतांत्रिक मूल्य, जो कर्तव्यों का ऐहसास उसके पुरखे भारत से ले गए होते हैं, वो उसके दिल के कोने में हमेशा जीवंत रहते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत एक राष्ट्र होने के साथ ही एकमहान परंपरा है, एक वैचारिक अधिष्ठान है, एक संस्कार की सरिता है।भारत वो शीर्ष चिंतन है- जो वसुधैव कुटुंबकम की बात करता है। भारत दूसरे के नुकसान की कीमत पर अपने उत्थान के सपने नहीं देखता। भारत अपने साथ सम्पूर्ण मानवता के, पूरी दुनिया के कल्याण की कामना करता है। इसीलिए, कनाडा या किसी भी और देश में जब भारतीय संस्कृति के लिए समर्पित कोई सनातन मंदिर खड़ा होता है, तो वो उस देश के मूल्यों को भी समृद्ध करता है। इसलिए, आप कनाडा में भारत की आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाते हैं, तो उसमें लोकतन्त्र की साझी विरासत का भी सेलिब्रेशन होता है। और इसलिए, मैं मानता हूँ, भारत की आज़ादी के अमृत महोत्सव का ये सेलिब्रेशन कनाडा के लोगों को भी भारत को और नजदीक से देखने समझने का अवसर देगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय संस्कारों की सरिता, महान परंपरा विदेशों में बसे भारतीयों के दिल में उनके पुरखों द्वारा भारत से लाए लोकतांत्रिक मूल्यों, कर्तव्यों संस्कारों की सरिता हमेशा जीवंत पर रहती है तथा वैश्विक स्तरपर भारत की प्रतिष्ठा शीर्ष स्तरपर पहुंचाने में भारतीयों, भारतीय मूल के सभी लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

सोनम लवंशी

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक 'अंक-उद्योग' में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है। शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही 'अंकवीर' छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

> साथियों बात अगर हम भारतीय मूल के व्यक्ति की परिभाषा की करें तो यह ऐसा व्यक्ति जिसका कोई पूर्वज भारतीय नागरिक था और जो वर्तमान में अन्य देश की नागरिकता या राष्ट्रीयता धारण करता है/करती है। इन लोगों के पास उसी देश का पासपोर्ट होता है। चूंकि इन लोगों के पास विदेशी पासपोर्ट होता है। साथियों बात अगर हम भारतीय मूल के व्यक्तियों की गाथा की करें तो कल्पना चावला कमला हैरिस के काम और नाम तो हम जानते ही हैं इसके अलावा,अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ और नासा के वैज्ञानिक कमलेश लुल्ला अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस से पहले एक प्रतिष्ठित अमेरिकी फाउंडेशन की तरफ से सम्मानित किए गए उन 34 अप्रवासियों में से हैं, जिन्होंने अपने योगदान और कार्यों के माध्यम से अमेरिकी समाज और लोकतंत्र को समृद्ध और मजबूत किया है।

शब्द पहेली - 8425

1		■	2	■	3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19		■		■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■		■		■	28	

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

1. मदिरा, मय-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8424 का हल

■	ल	गा	म	■	प	ता	का	■
द	क्ष	■	ही	■	ह	■	ल	ता
रो	■	■	न	का	र	ना	■	क
गा	य	ब	■	न	■	ला	न	त
■	■	ल	ब	■	रा	य	■	■
आ	स	रा	■	ना	■	क	या	स
ई	■	म	हा	व	र	■	■	ह
ना	क	■	जि	■	सी	■	रा	ज
■	ल	की	र	■	ला	ग	त	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.45 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	08.02 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.13 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.39 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.55 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.00 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.47 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.19 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	मेष	23.50 बजे से
		वृष	01.30 बजे से
		मिथुन	03.28 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 193 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 01.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 06.36 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 19.32 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 14.01 बजे तदनन्तर गर 01.47 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872403 **जूलियन दिन** 2460868.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

विधायक ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षको का किया सम्मान

शहडोल। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्यौहारी में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरू पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्री शरद कोल ने माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि गुरु की शिक्षाए संस्कार और मार्गदर्शन ही हमें एक बेहतर नागरिक बनाते हैं। गुरु का स्थान जीवन में ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना गया है।
विधायक ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षको को फूलमाला, तिलक एवं साल श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्री कृष्ण गुप्ता, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राए उपस्थित रहें।

संदीप कुमार तिवारी बनाम धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री' प्रकरण में सुनवाई हुई

शहडोल। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, शहडोल की अदालत में आज संदीप कुमार तिवारी बनाम धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री प्रकरण में सुनवाई हुई यह मामला सामाजिक और विधिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें धार्मिक मंचों के कथित दुरुपयोग और जनभावनाओं के शोषण से जुड़े गंभीर प्रश्न न्यायिक परीक्षण में हैं।
पूर्व में, धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की ओर से उनके अधिवक्ता द्वारा एक आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसमें निवेदन किया गया कि उन्हें न्यायालय में अपना पक्ष रखने और उत्तर देने का अवसर प्रदान किया जाए। उक्त आवेदन के विरुद्ध परिवादी संदीप कुमार तिवारी ने पिछले कार्यदिवस पर अपना जवाब दाखिल करते हुए यह तर्क रखा था कि–यह आवेदन मात्र न्यायिक प्रक्रिया को विलंबित करने तथा न्यायालय की सुनवाई को टालने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है। आज की सुनवाई में दोनों पक्षों कि और से तर्क किया गया तर्क सुनने के पश्चात माननीय न्यायालय ने उक्त आवेदन पर आदेश हेतु दिनांक 26 जुलाई 2025 नियत किया है। न्यायालय का यह निर्णय अगली कार्यवाही की दिशा को निश्चित करेगा। इस प्रकरण को समाज में तथाकथित धर्मगुरुओं की जवाबदेही और उनके कथनों की विधिक वैधता के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण मुकदमे के रूप में देखा जा रहा है।

अंधेर नगरी चौपट राजा,पेंट के बाद ड्राइफ्रूट घोटाला

शहडोल । जिला कॉंग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने अपने बयान मे कहा है कि, भाजपा की सरकार मे भ्रष्टाचार के नित नए रिकॉर्ड बनते जा रहे हैं।
अभी हाल ही मे शहडोल जिले मे स्कूल मे मरम्मत के नाम पर लाखों का घोटाला उजागर हुआ जिसका शोर थमा भी नहीं की भ्रष्टाचारियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम मे 14 किलो से 15 किलो ड्राइफ्रूट खाने का रिकॉर्ड बना दिया। गोहपारू ब्लाक के भदवाही ग्राम पंचायत मे आयोजित कार्यक्रम मे भ्रष्टाचार की ऐसी बयार बही की जिसमे घंटे भर के कार्यक्रम के दौरान फर्जी बिल के अनुसार, वहां मौजूद उच्च अधिकारियों ने एक घंटे की अंदर चौदह से पंद्रह किलो ड्राइफ्रूट और कई लीटर दूध, बिस्कुट नमकीन खा लिए।
जिलाध्यक्ष ने कहा भाजपा राज मे शासन व प्रशासन की मिलीभगत से न जाने कितने फर्जी बिल बन रहे हैं और बकायदा पास भी हो रहे हैं। जिम्मेदारों को अपने कमीशन से मतलब है, उनकी जेबें भरती रहें, चाहे आम जनता के विकास का पैसा हो या छात्रों के भविष्य को संवारने का पैसा हो।
सुभाष गुप्ता ने मांग करते हुए कहा कि इस मामले एवं इस तरह के अन्य मामलों की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को उचित दंड दिया जाए ताकि भविष्य मे भ्रष्टाचारियों की जन हितार्थ योजनाओं का पैसा हड़प करने की हिम्मत न हो।

शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रावण मास की भक्ति में डूबे भक्त

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा नगर, श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक और शिव पूजन

विजय मत, शहडोल।

श्रावण मास के पहले दिन शुक्रवार को शहडोल नगर और जिलेभर के शिवालयों में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही शिव मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। शिवभक्त हाथों में जल कलश, बेलपत्र और पूजन थाल लिए हर-हर महादेव के जयघोष के साथ मंदिरों की ओर बढ़ते नजर आए। दिनभर शिवालयों में भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा।

भोर से ही लगी श्रद्धालुओं की कतार

शुक्रवार सुबह होते ही नगर के प्रमुख शिव मंदिर विराट मंदिर, बूढ़ी माता मंदिर, खेर माई माता मंदिर, डाइट परिसर स्थित शिव मंदिर, कोतवाली मंदिर एवं दुर्गा मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। महिला, पुरुष और बच्चे सभी जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचे। कई श्रद्धालु घर से गंगाजल या नदियों का जल लाकर शिवलिंग पर चढ़ाते नजर आए।

बेलपत्र, फूल और व्रत से महादेव की आराधना

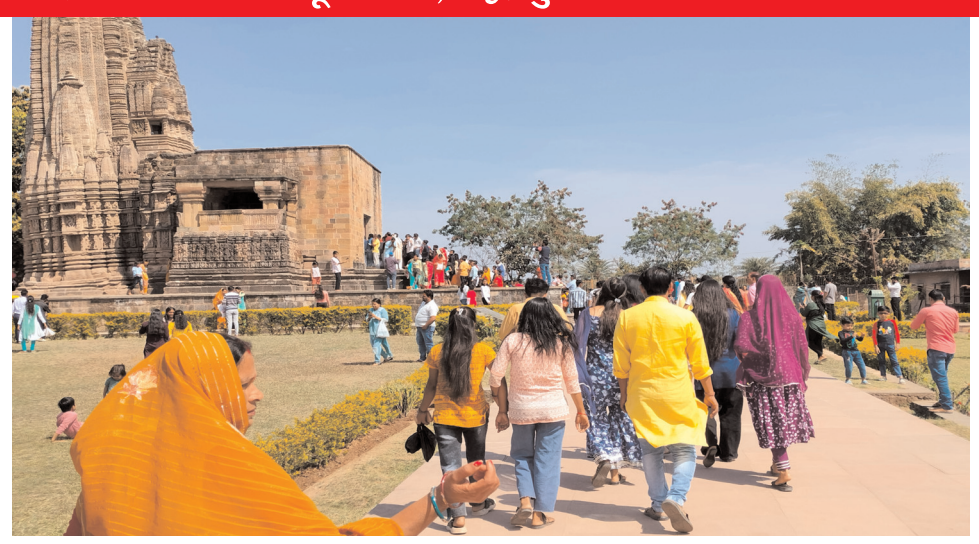

श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का जलाभिषेक करने के बाद बेलपत्र, फूल, धतूरा, भस्म आदि चढ़ाकर विधिवत पूजन किया। पंडितों द्वारा शिव महिमा का बखान और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रावण के पहले शुक्रवार और पहले सोमवार की पूर्व संध्या होने के कारण श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

महिलाओं और युवतियों ने रखा व्रत, की शिव उपासना

श्रावण मास के पहले सोमवार के व्रत की तैयारी के तहत शुक्रवार को ही कई महिलाओं व युवतियों ने व्रत रखकर शिव भक्ति का आरंभ कर दिया। व्रतधारी महिलाओं ने मंदिरों में विशेष पूजन किया और शिवजी से परिवार की सुख-शांति व कल्याण की कामना की।

श्रावण मास में बेलपत्र का विशेष महत्व

पंडितों के अनुसार श्रावण मास में भगवान शिव को बेलपत्र चढ़ाने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। एक बेलपत्र चढ़ाने मात्र से जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। इस माह भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है और समर्पण भाव से की गई आराधना शीघ्र फलदायी मानी जाती है।

श्रावण मासभर चलेगा पूजन-अभिषेक का क्रम

श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही आगामी एक महीने तक शिवालयों में विशेष पूजन, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और व्रत अनुष्ठान चलते रहेंगे। मंदिर प्रबंधनों ने भी श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विशेष व्यवस्था की है। भक्तगण श्रावण मास को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं

झुंड से भटके चार हाथियों ने मचाया उत्पात, दहशत में तीन दिन से जाग रहे लोग

विजय मत, शहडोल।

शहडोल की सीमा से महज तीन किलोमीटर दूर घुनघुटी वन परिक्षेत्र के शाहपुर में चार जंगली हाथियों का एक दल आने से स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया है। पिछले तीन दिनों से इस क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियां देखी जा रही हैं, जिससे ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। हाथियों का यह दल ग्राम शाहपुर में देर शाम हाई स्कूल के पास पहुंचा और बस्ती की ओर बढ़ने लगा। इससे घबराए ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को मामले की सूचना दी। वन विभाग ने दो टीमों का गठन किया और उन्हें शाहपुर भेजा गया। इसके अलावा, सुरक्षा के मद्देनजर गांव में मुनादी भी कराई गई।

स्थानीय अधिकारियों का ब्यान–एसडीओ पाली डिगेन्द्र सिंह पटेल ने जानकारी दी कि यह चार हाथियों का दल अहिरगंवा से होकर पड़री और हथपुरा क्षेत्रों में विचरण कर रहा है। उन्होंने बताया कि हमने टीम को तैनात कर दिया है, जो हाथियों पर नजर बनाए हुए है। यह हाथी अपने झुंड से भटक कर यहां आए हैं, पहले यह अनूपपुर जिले की सीमा पर थे। घुनघुटी रेंजर अर्जुन सिंह बजावा ने बताया कि हाथियों की यह गतिविधि पर नजर हम बनाए हुए हैं। हमारी टीमें जंगली हाथियों की निगरानी कर रही हैं। हम स्थानीय निवासियों को भी सलाह दे रहे हैं कि वे सतर्क रहें।

ग्रामीणों की चिंता–हाथियों की उपस्थिति से स्थानीय ग्रामीणों में खासा भय फैला हुआ है। मालाचूहा एवं शाहपुर क्षेत्र में कई घरों को हाथियों ने क्षति पहुंचाई है और अनेक पेड़ों को भी उखाड़ दिया है। जिस रात भर लोग जाग कर अपने घरों और खेतों की सुरक्षा करते दिखाई दिए, भीड़ में इकट्ठा लोग तेज आवाज कर हाथियों को भागते हुए नजर आए हैं। तो कुछ लोगों ने आग जला कर हाथियों को भागने की कोशिश भी की है।

आतंकी घटनाओं से निपटने एनएसजी ने दिया प्रशिक्षण, तीनों जिलों के अधिकारी रहे शामिल

विजय मत, शहडोल।

पुलिस कंट्रोल रूम शहडोल में काउंटर टेररिस्ट इंसिडेंट रिस्पॉन्स ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड एनएसजी के द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, होमगार्ड, अग्निशमन तथा एसडीईआरएफ के अधिकारियों को आतंकी घटना के दौरान प्रथम प्रतिक्रिया, सतर्कता, विभागीय समन्वय और सावधानियों के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। एनएसजी के सहायक कमांडेंट कमल द्वारा सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार किसी आतंकी घटना के समय फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में कार्य करना है, किन-किन सावधानियों का पालन करना आवश्यक है तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय किस प्रकार सुनिश्चित किया जाए।
इस प्रशिक्षण में पुलिस महानिरीक्षक शहडोल अनुराग शर्मा, पुलिस अधीक्षक शहडोल रामजी श्रीवास्तव सहित शहडोल, अनूपपुर एवं उमरिया जिलों से पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य, वन, होमगार्ड, अग्निशमन और एसडीईआरएफ के अधिकारीगण उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री अभिषेक दीवान द्वारा छैळ टीम को उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर निकाली गई जागरूकता रैली

छात्रों ने रंगोली बनाकर जन संख्या नियंत्रण का दिया संदेश

विजय मत, शहडोल।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन में महिला प्रशिक्षण केन्द्र से जनसंख्या नियंत्रण हेतु जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली को जिला मलेरिया अधिकारी श्री हनुमान प्रसाद नामदेव एवं प्राचार्य महिला प्रशिक्षण केन्द्र शहडोल श्रीमती टी.एस. सुखनन्दन ने हरी झण्डी दिखाकर महिला प्रशिक्षण केन्द्र से रवाना किया। रैली में जनसंख्या नियोजन नियंत्रण का संदेश देने के लिए

नारे लगाये गये एवं जागरूकता रैली निकाली गई। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर महिला प्रशिक्षण केंद्र शहडोल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्याशाला मे बताया गया कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए समाज में जागरूकता जरूरी है और हर व्यक्ति को परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी होनी चाहिए। पात्र लक्ष्य दंपतियों को परिवार कल्याण के स्थायी साधन (महिला के प्रसव पश्चात् नसबंदी, महिला नसबंदी, पुरुष नसबंदी) तथा अस्थाई साधन (पीपीआईयूसीडी, गर्भनिरोधक दवायें, अन्तरा इंजेक्शन) को अपनाने के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में होने वाली व्हीएचएनडी की बैठक में समझायें तथा उनके द्वारा (बॉसकेट ऑफ च्वाईस) के आधार पर उनके द्वारा चाही गई गर्भनिरोधक साधन उपलब्ध करायें।

अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में लापरवाही न हो, अधिकारी रखें ध्यान

विजय मत, शहडोल।

संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य विभाग जे.पी.यादव ने विभागीय जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियो को निर्देश दिए कि शहडोल संभाग में अतिथि शिक्षको की भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए, अधिकारी इसका ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर अध्यापन कार्य सुचारु रूप से विद्यालयो का संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने अधीनस्थ संस्थाओं के नियमित निरीक्षण कर संज्ञान मे आई समस्याओं का निदान करने के, कार्यालय और स्कूल समय पर खुलें तथा इन संस्थाओं के कार्यालय प्रमुख एवं स्टाफ समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कर्मचारियों के समस्याओं के निदान के लिए अधिकारियों को संवेदनशील होकर काम करें। संभागीय उपायुक्त ने लंबित पेंशन प्रकरण, विभागीय जाँच, अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि पेंशन प्रकरणों का समय पर निराकरण करावें, कोषालय से दर्ज आपत्तियों का त्वरित निदान करें, विभागीय जाँच का कार्य तीन माह मे पूर्ण करें। बहुत आवश्यक होने पर निलंबन की कार्यवाही हो, गंभीर आर्थिक और चारित्रिक प्रकरणों को छोड़कर किसी भी कर्मचारी को लम्बे समय तक निलंबित न रखा जाए, स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल रिलीव कर नई संस्था मे कार्यभार ग्रहण कराना सुनिश्चित करें।

समस्या 80प्रतिशत सड़कें बदहाल, 85प्रतिशत लोग बोले– जनप्रतिनिधि और अफसर जिम्मेदार

बदहाल सड़कों से जनता त्रस्त, सड़कों पर खतरनाक सफर

विजय मत, शहडोल।

शहर की सड़कों की हालत अब आम जनता के सब्र का इम्तिहान लेने लगी है। हाल यह है कि हल्की बारिश के बाद ही सड़कें दलदल में तब्दील हो जाती हैं, और पैदल चलना तक दूभर हो जाता है। शहर की 80 फीसदी सड़कें चलने लायक नहीं रहीं। सड़क निर्माण में घटिया सामग्री और लापरवाही से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।

निर्माण में घटिया सामग्री, सड़कें बनीं खतरनाक

शहडोल के नागरिकों ने सड़कों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्यों में तय मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। तकनीकी दृष्टि से भी सड़कें गलत ढंग से बनाई गई हैं, जिससे पानी रुकने और गड्ढे बनने की समस्या लगातार बढ़ रही है। अधिकांश सड़कों पर उखड़ती परतें, खुले गड्ढे और जलभराव ने दुर्घटनाओं को न्योता दे दिया है।

नगर पालिका की बड़ी नाकामी, जिम्मेदार कौन?

सड़कों की बदहाली के लिए

अधिकतर नागरिकों ने नगर पालिका को सीधे जिम्मेदार ठहराया है। वहीं लोग मानते हैं कि निर्माण एजेंसियों, इंजीनियरों और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से हालात और बिगड़े हैं। मरम्मत और निर्माण कार्य समय पर न होने से सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर जनता नाराज

शहडोल कीनागरिकों ने जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि सिर्फ चुनावों के समय नजर आते हैं, लेकिन शहर की बुनियादी समस्याओं पर उनकी चुप्पी हैरान करने वाली है। वार्डों की गलियों से लेकर मुख्य मार्ग तक जर्जर स्थिति में हैं, फिर भी किसी स्तर पर ठोस पहल नहीं की गई।

सड़कों पर खतरे का साया, रोज होती हैं घटनाएं

शहर की टूटी-फूटी सड़कों पर चलना अब जोखिम भरा हो गया है। बड़े-बड़े गड्ढों में भरे बरसाती पानी में वाहन पलटना आम बात हो गई है। कई इलाकों में तो हालात इतने खराब हैं कि पैदल चलना भी जान जोखिम में डालने जैसा है। सीवर लाइन के काम के बाद कई वार्डों में सड़कें कीचड़ में तब्दील हो गई हैं। शहर की नई कॉलोनियों में स्थिति और भी विकट है। अभी तक सड़कें बनी ही नहीं हैं, जिससे स्थानीय लोग अपने घरों से निकल भी नहीं पा रहे। बारिश के दिनों में यह स्थिति और भी भयावह हो जाती है।

अब नहीं जागे तो हालात होंगे और बदतर

शहर की जनता अब प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रही है। मरम्मत, निर्माण और दोषियों पर कार्रवाई की दिशा में जल्द पहल नहीं की गई, तो जनाक्रोश और तेज हो सकता है। सड़कें केवल विकास का प्रतीक नहीं, आम नागरिक की सुरक्षा और सुविधा का आधार भी हैं।

यूज़ इन शॉर्ट

विधायक ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षको का किया सम्मान

शहडोल। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्यौहारी में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरू पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक शरद कोल ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि गुरु की शिक्षा, संस्कार और मार्गदर्शन ही हमें एक बेहतर नागरिक बनाते हैं। गुरु का स्थान जीवन में ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना गया है।विधायक ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षको को फूलमाला, तिलक एवं साल श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्री कृष्ण गुप्ता, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राए उपस्थित रहें।

गुमशुदा किशोरी हुई दस्तयाब, पुलिस ने परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। बिजुरी थाना क्षेत्र में बिना सूचना घर से लापता हुई 14 वर्षीय किशोरी को रायपुर(छत्तीसगढ़) से दस्तयाब करने में सफलता पाई है। जिसे प्रक्रियाओं के उपरांत किशोरी को उसके परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि 10 जुलाई को गुमशुदा 14 वर्षीय किशोरी निवासी निमहा थाना बिजुरी की पता तलाश कर किशोरी को रायपुर (छत्तीसगढ़) से दस्तयाब कर उसके परिजनो को सुपुर्द किया गया है।

हिनौती गौधाम को आदर्श गौ अभ्यारण्य बनाया जाएगा:उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में हिनौती गौधाम के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हिनौती गौधाम को आदर्श गौ अभ्यारण्य बनाया जाएगा। इसमें 25 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय मिलेगा। इसके बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य पूरा कराकर गौवंश को सुरक्षित करें। इसके परिसर में उपयुक्त स्थलों पर वृक्षारोपण भी कराएं। गौशाला के स्वागत द्वार और स ?क का निर्माण शीघ्र पूरा कराएं। गौशाला में रह रहे निराश्रित गौवंश के भोजनए पानी तथा उपचार की समुचित व्यवस्था करें। गौशाला के विकास के लिए मिलकर प्रयास करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने ग्रामीण यात्रिकी विभाग तथा ग्राम पंचायत द्वारा गौशाला में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की जानकारी दी। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोलए जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी जिला गौ संवर्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय परियोजना अधिकारी जिला पंचायत संजय सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 189.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में एक जून से अब तक 189.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिले में 11 जुलाई को 17ण्7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दिन तहसील हुजूर में 20 मिलीमीटरए गुढ़ में 34 मिलीमीटर तथा सेमरिया में 36 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इस संबंध में अधीक्षक भू.अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 212.8 मिलीमीटरए रायपुर कर्चुलियान में 131.5 मिलीमीटरए गुढ़ में 330 मिलीमीटरए सिरमौर में 232ण्6 मिलीमीटरए त्योंथर में 77 मिलीमीटरए सेमरिया में 211 मिलीमीटरए मनगवां में 172 मिलीमीटर तथा जवा में 147 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 85ण्4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी।

पुलिस अधीक्षक और एडीएम ने दुर्घटना संभावित स्थलों का किया निरीक्षण

रीवा।कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर रीवा शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारी द्वारा मौके पर निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह तथा एडीएम श्रीमती सपना त्रिपाठी ने रेलवे ओवर ब्रिज गोडहर से अगडाल तक सड़क दुर्घटना के संभावित स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बायपास जंक्शन चन्द्रलोक होटल के पास निर्मल सिटी मोड़ एयरपोर्ट मोड़ तथा अन्य स्थलों का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बायपास जंक्शन में सड़क का सुधार तत्काल कराएं। इसमें प्रयागराज मार्ग से आने वाले वाहनों की गति को नियत्रित करने के लिए स्पीड ब्रेकर तत्काल लगा दें। वाहनों के शहर की ओर मुड़ते समय सामने से तेज गाति से वाहन आने पर दुर्घटनाएं होती हैं। बायपास मार्ग और चोरहटा से रतहरा मार्ग में शहर के बाहरी क्षेत्र में जहाँ मुख्य सड़क पर कालोनियों के गेट हैं वहाँ भी स्पीड ब्रेकर बनाना आवश्यक है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहन चालकों को सचेत करने के साथ.साथ सुरक्षा के सभी उपाय करें।

राहवीर योजना से होंगे सम्मानित, साहसी नागरिकों का प्रतिवेदन जिला अप्रेसल कमेटी को भेजा

जिले में घायलों की मदद कर मानवता की मिशाल बने पांच नागरिक

विजय मत, अनूपपुर

सडक़ दुर्घटनाओं में घायलों को अस्पताल तक पहुंचाकर उसकी जान बचाने के प्रयास में मानवता की मिसाल बने अनूपपुर के 5 नागरिक के राहवीर योजना के तहत सम्मानित किए जाएंगे। जिसमें सडक़ हादसों में घायलों को बचाने वाले बहादुरों को 25 हजार रुपए इनाम व सम्मान के रूप में प्रदाय किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में इन 5 जिम्मेदार एवं साहसी नागरिकों का प्रतिवेदन जिला अप्रेसल कमेटी को भेजा गया है, जिन्होंने सडक़ दुर्घटनाओं में घायलों की मदद कर मानवता की सच्ची सेवा की है। उन्होंने बताया कि ऐसी विकट परिस्थतियों में ये सभी नागरिक निडर होकर आगे आए, और घायल व्यक्तियों को ÷गोल्डन ऑवर÷ के

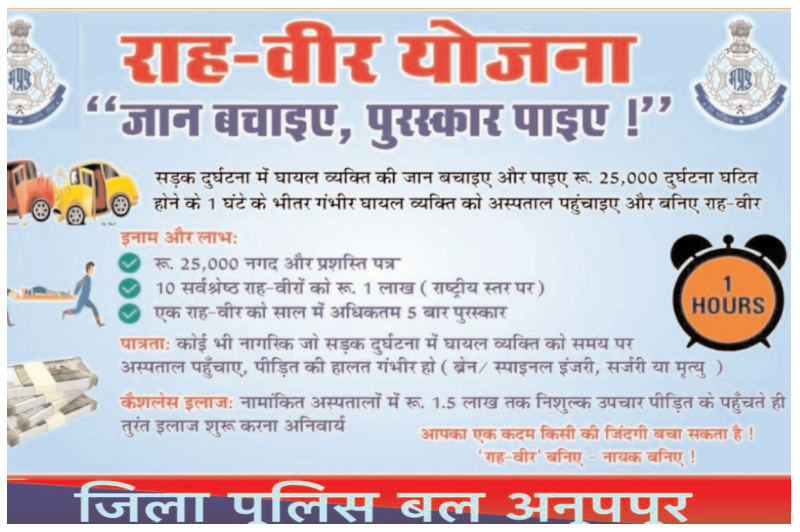

भीतर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाई है। प्रशासन द्वारा इन्हें ÷राहवीर योजना÷ के अंतर्गत न केवल प्रशंसा-पत्र और सम्मान समारोह में आमंत्रण दिया जाएगा, बल्कि प्रत्येक को 25 हजार रुपए की इनाम राशि भी प्रदान की जाएगी। सम्मानित नागरिकों में कमला प्रसाद राठौर, राठौर मोहल्ला पसला अनूपपुर, नारायण पटेल, ग्राम बम्हनी फुनगा, महेश साहू ग्राम पटेराटोला अनूपपुर, महेंद्र पनिका फुनगा के साथ शिवांश सिंह ग्राम बदरा अनूपपुर शामिल हैं।

जान बचाने के साथ समाज सेवा का पाठ

पुलिस कप्तान ने बताया कि यह योजना जान बचाने के साथ लोगों को समाज में सेवा के लिए भी प्रेरित करेगा, भले ही सरकार की ओर से इसमें शामिल व्यक्ति को सहायता राशि प्रदान होगी, लेकिन सडक़ पर सहायता के अभाव में लोगों की सांसे नहीं टूटेटी उन्होंने बताया कि ऐसे सहायता करने वालों की पहचान कर अप्रेसल कमेटी को प्रस्ताव भेजा गया है। इय योजना में सडक़ दुर्घटनाओं में तत्परता से मदद करने वालों को सम्मान और 25,000 की पुरस्कार राशि के साथ राहवीर योजना का उद्देश्य घायलों की तत्काल सहायता को बढ़ावा देना और मदद करने वालों को सुरक्षित रखना होगा। सभी नागरिकों से पुलिस और कानून का साथ देना चाहिए।

पदोन्नति नियम 2025 को रोकने सपॉक्स संस्था ने मुख्य सचिव के नाम सौंपा ज्ञापन

विजय मत, सीधी

मध्यप्रदेश पदोन्नति आरक्षण अधिनियम 2002 उच्च न्यायालय द्वारा अपास्त किए जाने के बाद सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका के विचाराधीन होने के बावजूद मप्र शासन की मंत्री परिषद की कैबिनेट बैठक दिनांक 17 जून 25 में शासकीय सेवाओं में पदोन्नति में आरक्षण संबंधी नए नियम 2025 को लागू कर तत्काल पदोन्नति प्रारंभ करने का निर्देश शासन स्तर से जारी किया जा चुका है।

पदोन्नति नियम 2025 से परिलक्षित होता है कि सरकार द्वारा पदोन्नति नियम 2002 के कतिपय प्रावधानों को संशोधित किया है। लेकिन अभी भी क्रीमीलेयर को आरक्षण से बाहर करने के कोई प्रावधान संभवत- इन नियमों में नहीं हैं। उक्त नियम से भविष्य में पदोन्नति संबंधी विसंगतियां दूर होने की संभावना है किंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार पदोन्नतियां 2016 से न कर इन नियमों को जारी होने की तारीख से लागू की गई हैसामान्य, पिछड़ा व अल्पसंख्यक संस्था इन नियमों का विरोध करती है। पदोन्नति नियम 2025 जारी होने के दिनांक से प्रभावशील होंगे अर्थात उन सेवा

निवृत अधिकारी कर्मचारियों को इनसे कोई लाभ नहीं होगा जिन्हें 2016 से निरंतर अन्य करते हुए अनावश्यक रूप से पदोन्नति के लाभ से वंचित रखा गया था अधिकारी कर्मचारियों की वरिष्ठता वर्तमान पदक्रम सूची अनुसार रहेगी अर्थात उन्हें पदा नवत नहीं किया जाएगा जिनके संबंध में उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय वर्ष 2016 में पदानवत करने का आदेश दिया था। नियमों में क्रिमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं है, उच्च न्यायालय ने अनेकानेक स्पष्ट निर्देशों के बावजूद नियमों में इनका प्रावधान न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है ऐसे नियम वर्तमान में लागू कर सरकार पुनः इन वर्गों के साथ अन्याय कर रही है। उल्लेखनीय है कि असंवैधानिक नियम 2002 पर सरकार की सर्वोच्च न्यायालय में की गई अपील पर यथास्थिति के आदेश हैं। किंतु यह आदेश अनु जाति/ जनजाति वर्ग के शासकीय कर्मियों पर ही लागू होते हैं, जो असंवैधानिक नियमों के अंतर्गत पदोन्नत किए गए थे। सामान्य, पिछड़ा व अल्पसंख्यक वर्ग के कर्मियों की पदोन्नति पर कभी भी रोक नहीं थी, किंतु सरकार ने अनारक्षित वर्ग की पदोन्नतियां विगत 9 वर्षों से रोककर अन्याय जारी रखा।एक तरफ सरकार सर्वोच्च न्यायालय के यथास्थिति के अंतरिम आदेश की आड़ लेकर अनु जाति/ जनजाति के गलत नियमों से पदोन्नत कर्मियों को पदावनत नहीं कर रही है, दूसरी ओर अनारक्षित वर्ग की पदोन्नतियां बिना कारण रोकी गईं हैं। अब सरकार नए नियमों के तहत पुनः उन्हें पदोन्नत करने का रास्ता लेकर आई है, जिन्हें वास्तव में पदावनत किया जाना था।

सामान्य, पिछड़ा व अल्पसंख्यक वर्ग को इन नियमों से कोई तात्कालिक लाभ नहीं है। अगर सरकार की मंशा वास्तव में न्याय और अपनी भूलसुधार की है, तो सर्वप्रथम सरकार सर्वोच्च न्यायालय से अपनी अपील वापिस ले और उच्च न्यायालय के निर्णय अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करे। संस्था, उक्त कार्यवाही के पश्चात ही किसी प्रकार के नए नियमों से सहमत होगी। वर्तमान स्थिति में संस्था ऐसे किसी भी प्रकार के नियमों का तब तक विरोध करेगी जब तक कि सरकार न्यायालयीन आदेशों के अनुसार कार्यवाही नहीं करती और अब संस्था द्वारा पुनः प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि नए नियम 2025 को तत्काल रोक लगाते हुए सभी वर्गों के साथ न्याय करे।

बारिश का कहर, घर में घुसा तालाब का पानी

विजय मत, सीधी

जिले के तहसील सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत बमुरी निवासी आशीष कुमार सिंह के घर में तालाब का पानी घुस गया है, जिससे पूरे परिवार की जान खतरे में आ गई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि इस गंभीर स्थिति को लेकर उन्होंने 181 जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।आशीष कुमार सिंह ने बताया कि पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है और घर में घुस चुका है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो गई है। परिजनों को हर पल जान-माल के खतरे का सामना कर रहा है।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी प्रकार की अनहोनी होती है, तो इसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।ग्रामीणों ने प्रशासन से तुरंत राहत और सुरक्षा की मांग की है। बावजूद इसके संबंधित विभाग अब तक मौके पर नहीं पहुंचा है, जिससे लोगों में भारी नाराज़गी है। वही पीड़ित आशीष कुमार सिंह के द्वारा बताया गया कि सिहावल एसडीएम व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहावल को मेरे द्वारा फोन पर सूचना देने का प्रयास किया गया लेकिन फोन नहीं उठा।।वही ग्राम पंचायत के स्थानीय सरपंच और सचिव द्वारा भी पीड़ित की किसी भी प्रकार से मदद नहीं की जा रही वहीं शासन प्रशासन द्वारा बड़े-बड़े वादे तो किए जाते हैं लेकिन बरसात के इस मौसम में घरों के सामने नाली ना होने से शासन प्रशासन के वादों का पोल खुलता नजर आ रहा है।

सेवाकेंद्र पर गुरू पूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन

सीधी। गुरू पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं सीधी जिले में स्थित

सेवाकेंद्रों की मुख्य संचलिका राजयोगिनी रेखा दीदी ने बताया कि परमात्मा शिव ही सर्व आत्माओं के परमपिता, परमसद्गुरु और परमशिक्षक हैं, वह कोई शरीर धारी नहीं अपितु निराकार ज्योतिबिंदु स्वरूप हैं, जो वर्तमान समय में हमें गति और सद्गति का ज्ञान देकर सतयुगी दुनिया की स्थापना करते हैं ।कार्यक्रम के अंत में सभी ने परमात्मा की याद में बना ब्रह्माभोजन स्वीकार किया । इस अवसर पर राघवेंद्र मिश्रा, रमापति तिवारी, जवाहर लाल गुप्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

महाविद्यालय मझौली में रोजगार मेले 15 को

विजय मत, सीधी

जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार पाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। प्रतिष्ठित कम्पनियों में 300 से अधिक पदों पर भर्ती की जायेगी, इसके अलावा मेले में स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए भी मार्गदर्शन दिया जाएगा। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ संदीप कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शासन की मंशा अनुसार जिले के बेरोजगार शिक्षित युवक-युवतियों हेतु युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उदेश्य से एक संयुक्त रोजगार मेला (युवा

संगम) आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र सीधी के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय (युवा संगम) रोजगार मेले का आयोजन 15 जुलाई 2025 मंगलवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में किया जा रहा है।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गीता भारती ने बताया कि इस रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरे अवसर के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रकिया बाबत मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। साथ ही रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनिया 300 से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रारम्भिक रूप से चयन हेतु उपस्थित रहेगी। जिसमें लेखापाल, टीम लीडर, एचआर, सैल्स, बीपीओ, टेक्नीशियन (फिटर/ इलेक्ट्रीशियन /टर्नर/ कोपा). पेकर/लोडर, मार्केटिंग आदि के विभिन्न पदों हेतु आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनीयों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे। उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में उत्तीर्ण एवं तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक अपर कलेक्टर ने वर्षा ऋ तु में सभी पटवारी को गंभीरता के साथ काम करने दिए निर्देश

भूमि विवाद, फसलों की क्षति और प्राकृतिक आपदा में पटवारी की भूमिका महत्वपूर्ण

विजय मत, अनूपपुर

हाल के दिनों में सजहा नाला हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों और चचाई स्थित सोन नदी में नहाने के दौरान 10 वर्षीय किशोर की डूबकर हुई मौत मामले में अब जिला प्रशासन जमीनी स्तर पर सख्त रवैया अपना रही है। शुक्रवार को कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय द्वारा बुलाई गई बैठक में उन्होंने वर्षा ऋतु को देखते हुए जिले के सभी पटवारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र में गंभीरता एवं सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में आपदाओं एवं दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में किसी भी प्रकार की घटना की जानकारी तत्काल नियंत्रण कक्ष को दी जाए, ताकि प्रशासन समय रहते आवश्यक राहत कार्य प्रारंभ कर सके। इस दौरान अपर कलेक्टर ने पटवारी को अपने नियमित राजस्व कार्य जैसे फॉर्मर रजिस्ट्री, फसल रजिस्टर (एफआर) एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के संधारण एवं अद्यतन को प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश देते हुए कहा कि वर्षा के दौरान भूमि संबंधी विवाद, फसलों की क्षति अथवा प्राकृतिक आपदा की स्थिति में पटवारी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। सभी पटवारी शासन के निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए क्षेत्रीय समस्याओं की जानकारी समय पर

प्रशासन को उपलब्ध कराएं।

फसलों के नुकसान का तत्काल बनाए पंचनामा

अधीक्षक भू-अभिलेख प्रदीप मोगरे ने कहा कि किसी भी गांव या क्षेत्र में बाढ़, भूस्खलन या मकान गिरने जैसी घटना की सूचना मिले ता पटवारी तत्काल मौके पर पहुंचे और त्वरित सर्वेक्षण कर उसकी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपें। भारी वर्षा या ओलावृष्टि से फसल को हुए नुकसान का पंचनामा तत्काल बनाकर संबंधित कार्यालय को भेजा जाए, जिससे प्रभावित कृषकों को समय पर मुआवजा उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही किसी क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों का प्रकोप हो, तो पटवारी तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें और जनजागरूकता अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। वहीं बैठक में अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा कर पटवारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। बैठक में जिले के सभी पटवारी उपस्थित थे।

राजस्व अधिकारी रेलवे परियोजना के निर्माण कार्यों की बाधाओं का समाधान करें:कमिश्नर

विजय मत, रीवा

कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाइन में सतनाए रीवाए सीधी और सिंगरौली में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में भू अर्जन का कार्य लगभग पूरा हो गया है। न्यायालयीन प्रकरण अथवा अन्य कारणों से जो प्रकरण शेष हैं उनका भी निराकरण तेजी से करें। सभी कलेक्टर भू अर्जन प्रकरणों के निराकरण की हर सप्ताह समीक्षा करें। शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए भू अर्जन की कार्यवाही पूरी करें। भू अर्जन करते समय विस्थापित परिवारों के हितों का भी पूरा ध्यान रखें। निर्माण कार्यों के लिए जमीन प्राप्त होने के बाद रेलवे तत्काल उस पर निर्माण कार्य शुरू करे। निर्माण कार्य में देरी होने से कई तरह की कठिनाईयाँ उत्पन्न हो जाती हैं। रीवा से बघवार तक रेलवे लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो गया है। सीधी जिले में शेष क्षेत्र में लाइन बिछाने का कार्य तेजी से करें।

कमिश्नर ने कहा कि मुआवजा वितरण के बाद भी यदि निर्माण कार्यों में कोई बाधा डालता है तो राजस्व अधिकारी मौके पर जाकर उसका निराकरण करें। रेलवे के अधिकारी तथा राजस्व अधिकारी समन्वय के साथ परियोजना के निर्माण कार्यों को पूरा कराएं। सीधी जिले के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि जो प्रकरण न्यायालय में दर्ज हैं उन्हें लोक अदालत के माध्यम से निराकृत करने का प्रयास करें। भू अर्जन से प्रभावितों से सतत संपर्क करके लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं। राजस्व अधिकारियों ने भू अर्जन में बहुत अच्छा कार्य किया है। रीवा से देवसर तक रेलवे लाइन निर्माण की सभी बाधाएं दूर हो गई हैं। रेलवे तेजी से निर्माण कार्य पूरे करे। कलेक्टर सीधी तीन स्थानों पर आ रही कठिनाईयों को एक सप्ताह में दूर कराएं। कमिश्नर ने सतना जिले के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि रीवा.सतना रेलवे लाइन के दोहरीकरण में शेष बचे 19 किलोमीटर भाग में भू अर्जन की कार्यवाही एक माह में पूरा करें। जिनमें अवार्ड पारित हो गया है उनमें सात दिन में मुआवजा राशि का वितरण कराएं। ग्राम तपाकोठार में एसडीएम रामपुर बघेलान मौके पर जाकर सीमांकन करा दें। नागौद तहसील में लंबित 8 गांवों के भू अर्जन के प्रकरणों की सभी बाधाएं एक माह में दूर करें। सभी राजस्व अधिकारी रेल परियोजना से जु? प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें।

कमाई में भी पीछे नहीं हैं गावस्कर करोड़ों में है नेटवर्थ

मुम्बई, एजेंसी

लिटिल मास्टर के रुप में लोकप्रिय रहे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर 76 वर्ष की उम्र में भी क्रिकेट से मोटी कमाई कर रहे हैं। खेल से संन्यास के बाद गावस्कर कमेंट्री से जुड़ गये थे। अपने अंदाज के कारण गावस्कर ने कमेंटेटर के तौर पर अलग पहचान बनायी है। संन्यास के कई साल बीत जाने के बाद भी गावस्कर के पास करोड़ों के विज्ञापन हैं। उनके पास महंगी लक्जरी गाड़ियां हैं। उनके पास देश में ही नहीं विदेश में भी संपत्ति है। उनकी नेटवर्थ में लगातार बढ़ रही है। उन्हें बीसीसीआई से भी हर महीने पेंशन की राशि मिलती है। इसके अलावा वह आईपीएल 2025 के बाद से ही एक सत्र में सबसे अधिक रकम पाने वाले कमेंटेटर भी बन गये हैं। गावस्कर की नेटवर्थ लगभग 250 करोड़ है। उन्होंने ये संपत्ति कमेंट्री, विज्ञापनों और पेंशन से अर्जित की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक गावस्कर आईसीसी और आईपीएल कमेंट्री से करीब 30 से 36 करोड़ कमाते हैं। आईपीएल के पिछले सत्र के बाद से वह एक कमेंट्री में एक सत्र से लगभग 4.17 करोड़ कमा रहे हैं। वहीं बीसीसीआई से जुड़े मैच अनुबंध से वह लगभग 6 करोड़ कमा रहे हैं। बीसीसीआई से उन्हें पेंशन के तौर पर प्रति माह 70 हजार रुपये मिलते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड 75 या उससे ज्यादा टेस्ट खेलने वाले अपने खिलाड़ियों को हर महीने ये राशि देता है।

फीफा रैंकिंग में भारतीय टीम को हुआ नुकसान, 133वें स्थान पर खिसकी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल टीम का विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) रैंकिंग में नुकसान हुआ है। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम फीफा रैंकिंग में छह स्थान टूटकर 133वें स्थान पर खिसक गई है। भारतीय टीम की रैंकिंग में गिरावट का कारण जून में मिली दो हार रही हैं। उसे थाईलैंड और फिर एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर में हांगकांग से हार का सामना करना पड़ा। इससे टीम की रैंकिंग पिछले नौ साल में सबसे नीचे हो गयी है। इससे पहले भारतीय टीम की सबसे खराब रैंकिंग दिसंबर 2016 में थी तब वह 135वें स्थान पर फिसल गयी थी। भारतीय टीम की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग फरवरी 1996 में 94 रही थी। भारतीय टीम के अभी 1113.22 रेटिंग अंक हैं जबकि पहले उसके 1132.03 रेटिंग अंक थे। वह 46 एशियाई देशों में 24वें स्थान पर है जिसमें जापान (17वीं रैंकिंग) के साथ ही सबसे आगे है। हांगकांग के खिलाफ हार से टीम की 2027 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद को भी झटका लगा है।

फुटबॉल

स्वीटजरलैंड में यूईएफए महिला यूरो लीग फुटबॉल में नार्वे की सिगनी गवापसेट गोल करने के बाद उत्साहित होती हुई।

मेरे लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट सबसे महत्वपूर्ण: गंभीर

लंदन, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि वह नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट को जिससे लाभ हो वह महत्वपूर्ण है। इसलिए ड्रेसिंग रूम क्या चल रहा है और क्या होना चाहिये ये अहम हैं। गंभीर ने ये बात लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान आधिकारिक प्रसारणकर्ता से बातचीत के दौरान कही। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा से बात करते हुए गंभीर ने कहा, शायद यह पहली बार है कि तीनों विभागों में बदलाव हो रहा है। मुझे लगता है कि मेरे लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट मेरे देश में सबसे अहम प्रारूप है। उन्होंने यह भी कहा कि इस टीम में हर दिन बढ़ने, सीखने और प्रतिस्पर्धा करने के बारे में है।

उन्होंने आगे कहा, यह हर दिन लड़ने के बारे में है। यह हर दिन तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने के बारे में है। गंभीर अहम नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट महत्वपूर्ण है। हर किसी को उस ड्रेसिंग रूम की संस्कृति के बारे में अपनी राय रखने का अधिकार है। मेरे लिए हर राय का महत्व है।

गंभीर सीमित ओवरों के बेहतरीन कोच रहे हैं। उन्होंने मुख्य कोच के रूप में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीती है और सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में युवा टी20आई टीम को जीत दिदीय पर अब तब टेस्ट मैचों में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। टीम को पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। इससे टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लूयटीसी) फाइनल में भी नहीं पहुंच पायी। वापस मिल गई जिसमें भारत घर से बाहर 1-3 से हार के साथ हारा। इसकी वजह से भारत को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में लगातार तीन टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा। अब तक उनकी कोचिंग में भारत ने अपने 12 टेस्ट मैचों में से केवल चार जीते हैं, सात हारे हैं और एक ड्रॉ रहा है।

भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा : धवन

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से उसने अब तक खेला है उससे अब मेजबान टीम इंग्लैंड पर ही दबाव आ गया है। धवन ने कहा कि पहले टेस्ट में जहां टीम की ओर से पांच शतक लगे। वहीं दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी भारतीय टीम ने कमाल करते हुए इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। धवन ने इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए युवा टीम की सराहना की है। धवन ने कहा, जिस तरह से लड़कों ने इस सीरीज में जबरदस्त वापसी की, उसने असली चरित्र और लचीलापन दिखाया और मुझे भरोसा है कि टीम आगे और बेहतर प्रदर्शन करेगी।

धवन ने शुभमन गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को भी सराहा। उन्होंने कहा, शुभमन गिल ने अब तक के अपने प्रदर्शन से आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। वहीं जिस प्रकार मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना भी उसने जीत हासिल की उससे पता चलता है कि टीम में कितनी गहरायी है। बुमराह की कमी आकाशदीप ने महसूस नहीं होने दी। मोहम्मद सिराज ने भी बुमरा के नहीं होने पर काफी अच्छे से गेंदबाजी की कमान संभाली। पहले टेस्ट में टीम हालांकि जीत नहीं पायी पर उससे काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। पहले टेस्ट में शभमन, यशस्वी , और केएल राहुल ने शतक लगाये।

उन्होंने कहा कि अनुभवी बल्लेबाजों केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने अपने-अपने शतकों के साथ पहले टेस्ट में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने भी धाराप्रवाह शतक लगाकर एक मजबूत बल्लेबाजी प्रदर्शन की नींव रखी। इंग्लैंड की धरती पर किसी भी टीम के लिए पांच शतक लगाना आसान नहीं होता। साथ ही कहा कि बुमराह ने भी हमेशा की तरह ही बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। धवन का कहना है कि अब जबकि सीरीज बराबरी पर है।। भारत अधिक लाभ वाली स्थिति में है। उन्होंने कहा, टीम ने पहले मैच से स्पष्ट रूप से सबक लिया और दूसरे मैच में और भी मजबूती से वापसी की। अब तक दोनों टेस्ट रोमांचक और बेहतरीन क्रिकेट से भरपूर रहे हैं। अब यह देखना इंग्लैंड किस प्रकार से पलटवार करता है।

करुण को नहीं सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारें: मांजरेकर

मुम्बई, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि आठ साल बाद टीम में शामिल किये गये करुण नायर को नंबर तीन पर नहीं उतारा जाना चाहिये। करुण इस सीरीज में अब तक असफल रहे हैं। वह दोनो ही मैचों में रन नहीं बना पाये हैं। मांजरेकर ने कहा कि अभी इस बल्लेबाज को अवसर मिलने चाहिये क्योंकि एक-दो मैचों के आधार पर फैसला नहीं हो सकता। मांजरेकर ने इसके साथ ही केवल एक मैच के बाद बाहर कर दिये गये साई सुदर्शन का समर्थन करते हुए कहा कि वह प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी है जिसे अभी अपने को साबित करने पर्याप्त अवसर मिलने चाहिये। साथ ही कहा कि सुदर्शन को नंबर तीन पर उतारना चाहिये। वहीं करुण को पांचे क्रम पर अवसर देना चाहिये।

मांजरेकर ने कहा, पिछले मैच में चयन जिस प्रकार हुए उनसे में सहमत नहीं हूं। एक जीत उन फैसलों को कैसी सही ठहरा सकत है। सिर्फ एक मैच के बाद साई सुदर्शन को टीम से बाहर कर देना समझ से परे है क्योंकि वह एक युवा खिलाड़ी हैं और हम भविष्य के लिए उन पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने दूसरी पारी में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। मैं उनके साथ रहना चाहता हूं, लेकिन यह टीम प्रबंधन थोड़ा अलग है और वे माहौल के अनुसार बदलाव करने में पीछे नहीं हटता है।

मांजरेकर ने सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारने की जरुरत बतायी। साथ ही कहा कि करुण इस जगह के लिए उपयोगी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं सुदर्शन को तीसरे नंबर पर देखना चाहूंगा। मेरी नजर में करुण तीसरे नंबर के खिलाड़ी नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर सभी बड़े शतक लगा रहे हैं, तो उन्हें एक टेस्ट के बाद बाहर करना अनुचित है। मुझे लगता है कि सुदर्शन भी और अवसर दिये जाने के अधिकारी हैं। मांजरेकर ने करुण के चयन और टीम में वापसी के भावनात्मक पक्ष का हवाला देते हुए उनका समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें अभी अवसर मिलने चाहिये। करुण ने साल 2027-18 में इंग्लैंड के खिलाफ ही तिहरा शतक लगाया था। उसके बाद भी वह टीम में अपनी जगह नहीं बचा पाये थे।

बिजनेस

सोने के भाव 97,250 रुपए, चांदी 1,10,400 रुपए के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव सार्वजनिक स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में सोने के भाव 97,250 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,10,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 561 रुपये की तेजी के साथ 97,252 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,691 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 559 रुपये की तेजी के साथ 97,250 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 210 रुपये की तेजी के साथ 1,09,333 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,09,123 रुपये था। इस समय यह 1,291 रुपये की तेजी के साथ 1,10,414 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,333.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,325.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 20.10 डॉलर की तेजी के साथ 3,345.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर सार्वजनिक स्तर को छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 37.64 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 37.30 डॉलर था। इस समय यह 0.53 डॉलर की तेजी के साथ 37.83 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

1 जनवरी से 125 सीसी से कम दोपहिया वाहनों में एबीएस अनिवार्य

- मंत्रालय ने कंपनियों की मांग खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने दोपहिया वाहन कंपनियों की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) को सभी नए छोटे वाहनों में अनिवार्य न करने की अपील की थी। अब 1 जनवरी 2026 से 50 सीसी से अधिक या 50 किमी/घंटा से तेज रफ्तार वाले सभी नए दोपहिया वाहनों में एबीएस लगाना अनिवार्य होगा, चाहे वे पेट्रोल हों या इलेक्ट्रिक। इस फैसले से सबसे अधिक असर 125 सीसी से कम क्षमता वाले वाहनों पर पड़ेगा, जो कुल दोपहिया बाजार का 77 फीसदी हिस्सा बनाते हैं। कंपनियों का कहना है कि एबीएस लगाने से प्रति वाहन 3,500 से 6,000 रुपए तक की अतिरिक्त लागत आएगी। इससे उनकी सालाना लागत करीब 7,300 करोड़ रुपये बढ़ सकती है और वाहन कीमतें भी बढ़ेंगी। कंपनियों ने यह भी तर्क दिया कि वर्तमान में बाजार में मांग पहले से ही धीमी है, ऐसे में कीमत बढ़ाना ग्राहकों की जेब पर भी असर पड़ेगा। इसके अलावा एबीएस निर्माण में इस्तेमाल होने वाले दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति पर चीन का नियंत्रण है, जिसने 4 अप्रैल से इनकी सप्लाई रोक दी है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के शेयरों में आ सकती है तेजी

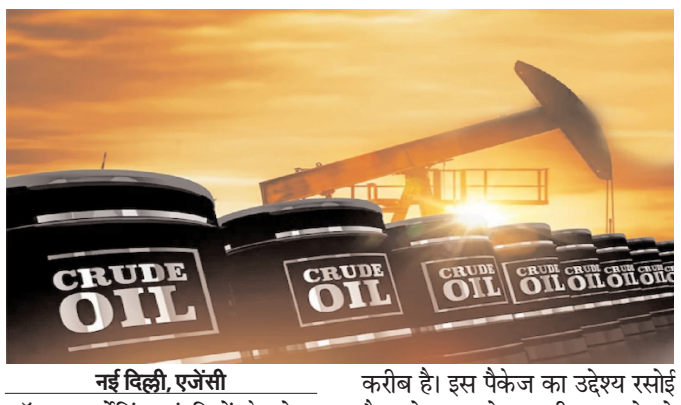

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के शेयर आगे एक मजबूत दिशा में बढ़ सकते हैं। ब्रोकरेज के अनुसार, भारत की सरकारी डाउनस्ट्रीम कंपनियों ने पहली तिमाही में पेट्रोल और डीजल पर लगभग 10.3 रुपये प्रति लीटर का हाई मार्केटिंग मार्जिन हासिल किया है। यह पिछले पांच वर्षों के औसत 3 रुपये प्रति लीटर से तीन गुना से भी अधिक है। वहीं बड़े स्तर पर कुछ अहम घटनाएं इस तेजी को और बढ़ा सकती हैं। जैसे कि कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट और सरकार की तरफ से ऑइल मार्केटिं कंपनियों के लिए एक मुआवजा पैकेज लाने की संभावित खबरें। इन कारणों से इन शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्रालय बीपीसीएल, आईओसी और एचपीसीएल सहित तेल विपणन कंपनियों के लिए एक राहत पैकेज को अंतिम रूप देने के करीब है। इस पैकेज का उद्देश्य रसोई गैस को लागत से कम कीमत पर बेचने से होने वाले नुकसान की भरपाई करना है। खर्च वित्त समिति इस साल की शुरुआत में ही बकाया राशि के निपटान पर चर्चा कर चुकी है। अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच एलपीजी की बढ़ती कीमतों के कारण इन कंपनियों को कथित तौर पर 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मंजूरी मिलने के बाद, राहत पैकेज इन कंपनियों को या तो अपने नुकसान की भरपाई करने या बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश कर सकेंगी। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने ऑइल एंड मार्केटिंग कंपनियों पर बुलिश आउटलुक देते हुए प्रमुख सरकारी रिफाइनिंग कंपनियां हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड पर बाय की रेटिंग दी है।

सेंसेक्स 690 अंक गिरकर 82,500 पर बंद, निफ्टी भी 205 अंक लुढ़का

आईटी, ऑटो और रियल्टी शेयर्स सबसे ज्यादा फिसले

मुम्बई, एजेंसी

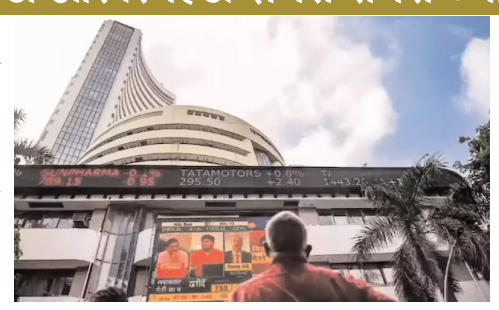

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 689.81 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,500.47 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 205.40 अंकों की गिरावाट के साथ 25,149.85 अंकों पर बंद हुआ। आज दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी की ज्यादातर कंपनियों के शेयर टूटे।

आज कारोबार के दौरान टीसीएस के शेयरों में भारी गिरावट रही। शुक्रवार को सेंसेक्स की 30 में से केवल 6 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की 23 कंपनियों के शेयर टूटे। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में आज कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी 50 की 50 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 39 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 4.65 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि टीसीएस के शेयर आज सबसे ज्यादा 3.46 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

आज सेंसेक्स की जिन कंपनियों के शेयर आज हरे निशान में बंद हुए, उनमें एक्सिस बैंक 0.79 फीसदी, सनफार्मा 0.56 फीसदी , एनटीपीसी 0.37 फीसदी , एसबीआई 0.06 फीसदी और आईटीसी 0.04 फीसदी रहे। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 2.75 फीसदी , भारती एयरटेल 2.20 फीसदी , टाटा मोटर्स 2.00 फीसदी , टाइटन 1.73 फीसदी , एचसीएल टेक 1.58 फीसदी , रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.47 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.46 फीसदी ,नीचे आकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट में खुले। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएच) के अप्रैल-जून 2025 तिमाही के नतीजे कमजोर रहने के चलते आईटी शेयर दबाव में दिखे। सेंसेक्स 370 अंक की गिरावट लेकर 82,820 पर खुला। हालांकि, हिंदुस्तान लिवर के शेयर में उछाल से इंडेक्स ने थोड़ी वापसी की। लेकिन सुबह शुरुआत के बाद यह 199.24 अंक की गिरावट लेकर 82,991 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी गिरावट लेकर 25,255 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 39.40 अंक की गिरावट के साथ 25,315 पर कारोबार कर रहा था। टीसीएस के अप्रैल-जून तिमाही 2025 नतीजे कमजोर रहने की वजह से आईटी स्टॉक्स में गिरावट देखी गयी। वहीं एशिया-पैसिफिक के बाजारों में आज मिला-जुला रुख देखने को मिला। एशियाई बाजारों की बात करें तो निक्केई में 0.21 फीसदी जी देखी गई, जबकि टोपिक्स इंडेक्स 0.71 फीसदी चढ़ा। कोस्पी मामूली 0.013 फीसदी ऊपर रहा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स200 0.064 फीसदी हल्की गिरावट में रहा। वहीं गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में मजबूती रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 6,280.46 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। नेस्डेक कंपोजिट भी लगातार दूसरे दिन नए शिखर पर पहुंचा और 0.09 फीसदी की तेजी के साथ 20,630.67 पर बंद हुआ। डाओ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 192.34 अंक चढ़कर 44,650.64 पर बंद हुआ।

अमेरिका की नीतियों से तंग आकर देशों ने डॉलर के विकल्प अपनाए: जीटीआरआई

- भारत भी रूस से तेल खरीदने रुपये और यूएई की मुद्रा दिरहम का उपयोग कर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की आर्थिक और भू-राजनीतिक नीतियों ने कई देशों को डॉलर की जगह अन्य मुद्राओं में व्यापार करने को मजबूर कर दिया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक अमेरिका द्वारा रूस, ईरान और वेनेजुएला पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते डॉलर आधारित भुगतान बाधित हुआ है, जिससे भारत, चीन और अन्य देशों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार शुरू किया। जीटीआरआई के सह-संस्थापक ने कहा कि यह बदलाव कोई विद्रोह नहीं, बल्कि विवशता का परिणाम है। उदाहरणस्वरूप, रूस-चीन का 90 फीसदी से अधिक व्यापार अब रूबल और युआन में हो रहा है। भारत भी रूस से तेल खरीदने के लिए रुपये और यूएई की मुद्रा दिरहम का उपयोग कर रहा है। यहां तक कि सऊदी अरब भी अब तेल व्यापार में डॉलर के बजाय अन्य मुद्राओं को स्वीकार करने को तैयार है, जिससे 1970 के दशक के पेट्रो-डॉलर समझौते पर असर पड़ रहा है।

बहनों के हौसले की मजबूत डोर खुशियां हर ओर

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा

1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को

26 वीं किस्त के

₹ 1543.16 करोड़

56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को ₹ 340 करोड़

30 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग राशि ₹46.34 करोड़ का सिंगल क्लिक से अंतरण

अपराह्न 2:30 बजे | ग्राम पंचायत नलवा, जिला उज्जैन

राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन

मछुआ कल्याण के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं हितलाभ वितरण

अपराह्न 1:00 बजे । मुक्ताकाशी मंच, कालिदास अकादमी, उज्जैन

12 जुलाई 2025

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11064/25 मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025